माघ शुक्ल पक्ष - 11, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09 , अंक - 205 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
29 जनवरी 2026 गुरुवार

आज का मौसम
23.0 अधिकतम
11.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

चंडीगढ़ को मिला नया मेयर सौरव जोशी ने मारी बाजी

चंडीगढ़। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ को आज अपना नया मेयर मिल गया है। भाजपा के सौरव जोशी नए मेयर निर्वाचित हुए हैं। मेयर चुनाव की प्रक्रिया के तहत नगर निगम के सभी पार्षद सदन में पहुंचे और शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न हुआ।11 बजे मेयर चुनाव के लिए वोटिंग शुरू हुई। इस चुनाव में बीजेपी ने बाजी मार ली।

कारोबारियों के ठिकानों पर औरंगाबाद-रांची में छापा

औरंगाबाद। जिला मुख्यालय में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने दो अनाज कारोबारियों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई महराजगंज रोड स्थित धान व्यवसायी विश्वजीत जायसवाल के आवास तथा देव थाना क्षेत्र के देव मुख्य पथ पर स्थित राइस मिल संचालक नितेश कुमार के कार्यालय पर की जा रही है। इसके रांची के ठीकानों पर भी छापेमारी चल रही है। बताया जाता है कि विश्वजीत जायसवाल धान, मक्का और गेहूं के बड़े कारोबारी हैं।

बंगलूरू जा रही बस में लगी आग, 10 यात्री झुलसे

बंगलूरू। कर्नाटक में आज एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। यहां होसानगर से बंगलूरु जा रही एक निजी बस में अचानक भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। जिस समय यह घटना हुई, बस में कुल 36 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के भी जान का नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, बस से बाहर निकलने और अफरा-तफरी के बीच दस यात्री मामूली रूप से घायल हो गए हैं।

रणवीर सिंह के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के खिलाफ बंगलूरू में एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला ऋषभ शेट्टी की फिल्म कांतारा-चैप्टर 1 से जुड़ा है। रणवीर सिंह पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप इस शिकायत में लगाया है। एएनआई की खबर के अनुसार बंगलूरू में रणवीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एक्टर पर धार्मिक भावनाओं और तटीय कर्नाटक की दैव्य परंपरा का अपमान करने का आरोप लगा है।

पति ने की थी दिल्ली पुलिस की महिला कमांडो की हत्या

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल में तैनात SWAT महिला कमांडो काजल की उसके पति अंकुर ने हत्या कर दी। अंकुर और काजल के बीच झगड़ा हुआ था। झगड़े के दौरान अंकुल ने काजल पर हमला कर दिया जिसमें उसे गंभीर चोटें आईं। अंकुर ही काजल को अस्पताल लेकर गया, जहां इलाज के दौरान 27 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। जांच के बाद पुलिस ने पति के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आज का कार्टून

फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से उम्मीदें... क्वालिटी पर फोकस करें देश के उत्पादक

पीएम मोदी बोले... आत्मविश्वास से भरा भारत आज पूरी दुनिया के लिए आशा की किरण

नईदिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में बजट सत्र के दूसरे दिन संसद परिसर में देश को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का भाषण 140 करोड़ भारतीयों के भरोसे और खासकर युवाओं की उम्मीदों का आईना है। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी सांसदों ने राष्ट्रपति द्वारा सत्र की शुरुआत में और 2026 तक के लिए जताई गई उम्मीदों को गंभीरता से लिया होगा। पीएम कहा कि आत्मविश्वास से भरा भारत आज दुनिया के लिए आशा की किरण और आकर्षण का केंद्र बना है। उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते का जिक्र करते हुए कहा कि यह आने वाले समय में भारत के युवाओं के भविष्य को उज्जवल बनाएगा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत के उत्पादक इस अवसर का लाभ उठाकर अपनी क्षमताएं बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। यह समझौता, जो 27 देशों के साथ हुआ है, हमारे देश के मछुआरों, किसानों, युवाओं और सेवा क्षेत्र में जाने के इच्छुक लोगों के लिए बड़े अवसर लेकर आ रहा है।

युवाओं का भविष्य शानदार

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस समझौते से यह साफ है कि आने वाले समय में भारत के युवाओं का भविष्य कितना शानदार होने वाला है। उन्हें पूरा भरोसा है कि भारत के निर्माता और व्यापारी इस मौके का पूरा फायदा उठाएंगे। वे अपनी उत्पादन क्षमता को और बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अपने उत्पादों की गुणवत्ता पर बहुत ध्यान देना होगा। जब बाजार हमारे लिए खुल गया है, तो हमें बाजार में सबसे अच्छी गुणवत्ता वाला सामान लेकर जाना होगा। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट भारत के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उन्होंने कहा देश का ध्यान बजट की तरफ होना स्वाभाविक है। लेकिन इस सरकार की पहचान रही है रिफार्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म। हम रिफॉर्म एक्सप्रेस पर बहुत तेजी से चल पड़े हैं और मैं संसद के भी सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूं कि इस रिफॉर्म एक्सप्रेस को गति देने में वे भी अपनी सकारात्मक शक्ति लगा रहे हैं जिसके कारण रिफॉर्म एक्सप्रेस को लगातार गति मिल रही है। पीएम का इशारा 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित भारत की ओर था।

आर्थिक सर्वेक्षण : 7.2 फीसदी से बढ़ेगी हमारी अर्थव्यवस्था

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2026 पेश किया। सर्वेक्षण में बताया गया है कि भारत की अर्थव्यवस्था की रफ्तार तेज होने वाली है। साल 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी तक बढ़ सकती है। यह तब है जब दुनिया में कई तरह की परेशानियां चल रही हैं, जैसे देशों के बीच तनाव, पैसों की तंगी और अलग-अलग देशों में मांग का कम-ज्यादा होना। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि साल 2025 में एक अजीब बात देखने को मिली। भारत की अर्थव्यवस्था दशकों में सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रही है, लेकिन दुनिया का सिस्टम ऐसा हो गया है कि अच्छी आर्थिक चाल का फायदा करेंसी की स्थिरता, बाहर से पैसा आने या दुनिया की मुश्किलों से बचने के रूप में नहीं मिल रहा है। अब भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद भारत का नंबर आता है। सरकार ने पिछले महीने ही बताया था कि भारत ने जापान को पीछे छोड़ दिया है। भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी की वजह निवेश का बढ़ना और निर्माण वाले उद्योगों में उछाल है। यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक के 7.3 फीसदी के अनुमान से भी ज्यादा है। पिछले साल की 6.5 फीसदी की ग्रोथ से यह काफी बेहतर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अब 1 फरवरी को लोकसभा में बजट पेश करेंगी। इसमें अलग-अलग क्षेत्रों को सौगात मिल सकती है।

नए यूजीसी नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) के नए नियमों पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सीजेआई सूर्यकांत ने नए नियमों पर सवाल उठाते हुए कहा- हमने जातिविहीन समाज की दिशा में बहुत कुछ हासिल किया है। क्या अब हम उलटी दिशा में चल रहे हैं? सीजेआई ने केंद्र से कहा- आप SC/ST स्टूडेंट्स के लिए अलग हॉस्टलों की बात कर रहे हैं। ऐसा मत कीजिए। आरक्षित समुदायों में भी ऐसे लोग हैं जो समृद्ध हो गए हैं। कुछ समुदाय दूसरों की तुलना में बेहतर सुविधाओं का आनंद ले रहे हैं। सीजेआई ने एसजी तुषार मेहता से इस पर गौर करने के लिए कुछ प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक समिति के बारे में सोचने को कहा ताकि समाज बिना किसी भेदभाव के एक साथ आगे बढ़ सके। उल्लेखनीय है कि देशभर में सवर्ण जाति के स्टूडेंट्स और आम नागरिक यूजीसी के नए नियमों का विरोध कर रहे थे।

चीफ जस्टिस ने पूछा... क्या हम उलटी दिशा में चल रहे हैं?

लगातार कमजोर हो रहीं एशियाई मुद्रा, जोखिम से बच रहे निवेशक

डॉलर के मुकाबले रुपया ऑलटाइम लो, 92 पर आया

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय रुपया शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आज अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। लगातार बढ़ती डॉलर की मांग और वैश्विक बाजारों में सतर्क माहौल के कारण रुपये पर दबाव बढ़ गया, जिससे यह 92 प्रति डॉलर के ऑल-टाइम लो तक फिसल गया। रुपये में गिरावट की मुख्य वजह अमेरिकी डॉलर में व्यापक मजबूती और एशियाई मुद्राओं में कमजोरी मानी जा रही है। वैश्विक बाजारों में डॉलर की तेजी के कारण उभरते बाजारों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया है, जिसका असर भारतीय रुपये पर भी साफ दिखाई दे रहा है। फॉरेक्स बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिकी

फेडरल रिजर्व द्वारा 2026 की पहली मौद्रिक नीति बैठक में ब्याज दरों को तटस्थ रखने के फैसले के बाद डॉलर इंडेक्स में मजबूती आई, जिससे रुपये में गिरावट तेज हुई। इसके अलावा, भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने से निवेशकों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी है, जिससे अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राओं पर दबाव बना हुआ है।

चांदी ने तोड़ दिए सारे रिकॉर्ड 4 लाख के पार पहुंचा भाव

आज सोने और चांदी की कीमतों ने एक नया रिकॉर्ड बना दिया है। वायदा कारोबार में चांदी की कीमत आज 4 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गई, जबकि सोने का भाव 1,91,400 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गया। निवेशकों की मजबूत मांग तेजी की प्रमुख वजह रही। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर चांदी के मार्च में सप्लाई वाले कॉन्ट्रैक्ट का वायदा भाव 22,090 रुपये या 5.73 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,07,456 रुपये प्रति किलोग्राम के ऑल-टाइम हाई पर पहुंचा।

दोनों बेटों ने दी मुखाग्नि

सियासी दिग्गजों की मौजूदगी में अजित पवार पंचतत्व में विलीन

बारामती/नई दिल्ली, एजेंसी

बारामती के काटेवाड़ी स्थित विद्या प्रतिष्ठान मैदान में आज महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार का अंतिम संस्कार किया गया। उनके दोनों बेटों पार्थ और जय पवार ने मुखाग्नि दी। अजित की पत्नी सुनेत्रा पवार, चाचा शरद पवार और उनकी बेटी सुप्रिया सुले मौजूद रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, गोवा सीएम प्रमोद सावंत, पूर्व गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे, आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे भी पहुंचे।

पवार का चार्टर्ड प्लेन बारामती एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान क्रैश हुआ था। वे 66 साल के थे। हादसे में पवार के सुरक्षाकर्मी, दो पायलट और एक महिला क्रू समेत 5 लोगों की मौत हुई थी। पवार 5 फरवरी को पुणे में होने वाले जिला परिषद चुनावों के लिए 4 रैलियों को संबोधित करने वाले थे। उनके के निधन पर महाराष्ट्र में 3 दिन का राजकीय शोक रखा गया है।

क्रैश हुए विमान का मिला ब्लैक बॉक्स

क्रैश हुए अजित पवार के प्लेन का ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर बरामद कर लिए गए हैं। जहां विमान क्रैश हुआ, उस जगह पर डीजीसीए और फोरेंसिक के अधिकारी जांच में जुटे हैं। टीम ने पूरे घटनास्थल की गहन जांच पड़ताल की है। इससे पहले अधिकारियों ने अपने बयान में कहा था कि फ्लाइट डेटा मिलने पर जांच में तेजी आएगी।

किसानों के खातों में पहुंचे 200 करोड़ सीएम ने ट्रांसफर की भावांतर राशि

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार सोयाबीन उत्पादक किसानों को भावांतर योजना के तहत एक बार फिर बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज मंदसौर जिले के मल्हारगढ़ में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सोयाबीन भावांतर राशि का भुगतान किया। इस अवसर पर प्रदेश के करीब 1.17 लाख किसानों के बैंक खातों में लगभग 200 करोड़ रुपए की राशि चौथी किस्त के रूप में अंतरित की गई।

मुख्यमंत्री मल्हारगढ़ प्रवास के दौरान क्षेत्र को विकास की सौगात भी दी। यहां करीब 69.50 करोड़ रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया गया। इससे स्थानीय अधोसंरचना, सड़क, पेयजल और अन्य नागरिक सुविधाओं को मजबूती मिलेगी।

7 लाख को मिल चुका फायदा

अब तक प्रदेश के कुल 7.10 लाख किसानों को भावांतर योजना के अंतर्गत करीब 1492 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। इनमें से तीन चरणों में लगभग 1300 करोड़ रुपए पहले ही वितरित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री द्वारा आयोजित समारोहों के माध्यम से यह राशि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए किसानों तक पहुंचाई गई है।

कराते चैंपियन छात्रा और दोस्त की हादसे में मौत

छिंदवाड़ा। पांढुर्णा के मोहि घाट पर आज सुबह सड़क हादसे में 13 वर्षीय कराते चैंपियन छात्रा और उसके 17 वर्षीय दोस्त की मौत हो गई। मृतकों की पहचान गायत्री कॉलोनी निवासी कराते चैंपियन प्राची बिसेंदरे (पिता राजेश बिसेंदरे) और 11 खोली निवासी जयेश गोलाइत के रूप में हुई है। प्राची लिटिल फ्लावर स्कूल की छात्रा थी और कराते में दिल्ली चैंपियन रह चुकी थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मोहि घाट पर टीवीएस अपाचे बाइक की रफ्तार तेज थी। बाइक लोहे की रेलिंग से टकराई और दोनों करीब 25 फीट से अधिक दूरी तक घिसटते चले गए।

मेट्रो एंकर

नहीं हुआ एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों का पालन, आंखों में धूल झोंकने की कोशिश

सुप्रीम कोर्ट नाराज... आवारा कुत्तों पर फर्जी आंकड़े दे रही हैं राज्य सरकारें

नईदिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जो राज्य सार्वजनिक संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने और एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों का पालन करने में नाकाम रहे हैं, उन्हें 'ठीक से फटकार' लगाई जाएगी। कोर्ट ने राज्यों की ओर से दाखिल हलफनामों को 'आंखों में धूल झोंकने' वाला और 'फर्जी आंकड़ों' से भरा बताया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, संदीप मेहता और एन वी अंजारिया की पीठ ने राज्यों के जवाबों की समीक्षा करते हुए यह सख्त टिप्पणी की। कोर्ट विशेष रूप से झारखंड के हलफनामे से हैरान था, जिसमें दावा किया गया था कि पिछले दो महीनों में लगभग दो लाख कुत्तों का टीकाकरण और नसबंदी की गई। पीठ ने कहा कि

झारखंड सरकार के पास मौजूद संसाधन और कर्मचारी इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर कुत्तों की नसबंदी नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 7 नवंबर को आदेश जारी किया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने एनिमल बर्थ कंट्रोल नियमों को लागू करने के लिए कदम उठाए। इसी के तहत उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में कुत्तों की नसबंदी का दावा किया। इसकी तुलना में दिल्ली जैसे राज्य एक साल में लगभग एक लाख कुत्तों की नसबंदी करते हैं। पीठ ने कहा, यह सब फर्जी आंकड़े हैं... सभी राज्य अस्पष्ट बयान देते हैं। यह आंखों में धूल झोंकने जैसा है। उन्हें ठीक से फटकार लगाई जाएगी। एमिकस क्यूरी (न्यायालय के सहायक) वरिष्ठ वकील गौरव अग्रवाल ने राज्यों की ओर से दाखिल किए गए हलफनामों की जांच के बाद कोर्ट को उनकी कमियों के बारे में बताया। कोर्ट को यह भी पता चला कि राज्यों की ओर से दिए गए जवाबों में कई महत्वपूर्ण जानकारी गायब थीं। इनमें आवारा कुत्तों की संख्या, उन्हें रखने की जगह, ABC सेंटर और संस्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने के लिए नियुक्त मानव संसाधन जैसे मुद्दे शामिल थे।

टीकाकरण-नसबंदी के निर्देश

कोर्ट ने नवंबर में निर्देश दिया था कि स्कूलों, अस्पतालों, खेल परिसरों, बस स्टैंडों डिपो और रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा था कि इन जगहों पर कुत्तों के काटने की घटनाओं को रोकने के लिए एनिमल बर्थकंट्रोल नियमों के तहत कुत्तों का टीकाकरण और नसबंदी की जानी चाहिए। आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनसे होने वाली समस्याओं, जैसे कि कुत्तों के काटने की घटनाएं, को लेकर चिंता जताई गई थी। कोर्ट चाहता है कि राज्य इन नियमों का गंभीरता से पालन करें और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

राजधानी का पारा @ 11°

रात के तापमान में गिरावट से बढ़ी ठंड

भोपाल। वर्तमान में एक पश्चिमी विक्षोभ जम्मू एवं उसके आसपास हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात के रूप में बना हुआ है। एक द्रोणिका भी संबद्ध है। दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश से लेकर आंतरिक कर्नाटक तक भी एक द्रोणिका बनी हुई है। उत्तर भारत पर 12.6 किमी की ऊंचाई पर 240 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं चल रही हैं। जिससे राजधानी के मौसम में ठंडक घुल गई है। भोपाल में रात का न्यूनतम तापमान 3 डिग्री गिरकर 11 पर पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि रात के तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ी है। 30 जनवरी की रात से नए पश्चिमी विक्षोभ द्वारा उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञ अजय शुक्ला ने बताया कि गुरुवार को पूर्वी मध्य प्रदेश में वर्षा हो सकती है। हालांकि अभी कोहरा बना रहेगा। साथ ही न्यूनतम तापमान में गिरावट होने लगेगी। बढ़ी ठंड के चलते लोग गर्म कपड़ों में नजर आए और ठंड से बचाव के लिए अलाव का सहारा लेते दिखे। बदले मौसम से जहां ठिठुरन बढ़ी है।

गौमांस मामला : अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में

चार दिन की रिमांड में खंगाले बूचड़खाने के सालों पुराने रिकॉर्ड, छह फरवरी तक पेश होगा चालान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद स्थित जिंसी बूचड़खाने में सामने आए गौकशी मामले के आरोपी संचालक असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा और कंटेनर चालक शोएब को जेल भेज दिया है। उससे पहले चार दिन की पुलिस रिमांड के दौरान आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस ने बूचड़खाने के सालों पुराने रिकॉर्ड खंगाले गए हैं। इसमें वध से जुड़े रजिस्टर, पशु परिवहन की एंट्री, मांस सप्लाई के दस्तावेज और भुगतान से संबंधित फाइलें शामिल हैं। पुलिस ने इन रिकॉर्डों का मिलान मौजूदा दस्तावेजों और डिजिटल साक्ष्यों से भी किया है। जांच के दौरान पुलिस ने देश और विदेश तक फैले मांस सप्लायरों को लेकर भी जानकारी जुटाई।

प्रारंभिक पूछताछ में संकेत मिले हैं कि मांस की सप्लाई स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसके तार दूसरे राज्यों और कुछ विदेशी एजेंसियों तक भी जुड़े हो सकते हैं। पुलिस ने कोर्ट में छह फरवरी तक चालान पेश करने का दावा किया है। मामले में नगर निगम

के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका भी जांच के घेरे में है। पुलिस ने लाइसेंस जारी करने, निरीक्षण और रिकॉर्ड संधारण से जुड़े अधिकारियों से पूछताछ कर यह जानने की कोशिश की कि बूचड़खाने में नियमों के विपरीत गतिविधियां किसकी सहमति से संचालित हो रही थीं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, जांच के आधार पर पूरे नेटवर्क की कड़ी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि सप्लाई चेन से जुड़े हर जिम्मेदार व्यक्ति को चिन्हित किया जा सके।

पुलिस के साथ स्लाटर हाउस के बाहर बैठे संदिग्ध

गोकशी मामले में पुलिस जिंसी स्थित बूचड़खाने को सील कर चुकी है और उसके संचालक असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा को गिरफ्तार किया जा चुका है। असलम की गिरफ्तारी और बूचड़खाने के सील होने के बाद सबूतों से छेड़छाड़ की जा रही है। यह सब तब हो रहा है जब बूचड़खाने के बाहर पुलिस बल तैनात है। बूचड़खाने के सील होने के बाद सड़क के दूसरी ओर मेट्रो लाइन के नीचे खाली जमीन पर टीन की दीवार खड़ी कर दी गई है, जिसके अंदर भैंसे बांधी गई हैं। रविवार दोपहर एक से दो बजे के बीच उस टीन की दीवार के अंदर एक ट्रक जाता हुआ दिखा। साथ ही उत्तरप्रदेश पासिंग एक क्रेटा गाड़ी भी उसी समय वहां आकर रूकी, जो कि करीब 15 मिनट तक वही खड़ी रही। बूचड़खाने के बाहर पुलिस के जवानों के साथ कुछ संदिग्ध भी बैठे हुए हैं, जो यहां से गुजरने वालों पर नजर रख रहे हैं। वहीं, पुलिस ने जिस स्लाटर हाउस को सील किया है उसके मेन गेट से लगा हुआ एक अन्य गेट है, जो खुला हुआ है। जिससे लोगों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में बूचड़खाने और उसके आसपास चल रहीं गतिविधियों से पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। बूचड़खाने में उपयोग की जाने वाली गाड़ियों को आरोपी असलम चमड़ा ने नगर निगम की गाड़ियों की तरह ही पीले रंग में तैयार कराई थीं। उनके ऊपर काले रंग से नगर पालिका निगम भोपाल भी लिखा हुआ था। हालांकि अब सबूतों से पुलिस की निगरानी में ही छेड़छाड़ जा रही है। दो दिन पहले तक जिन ट्रकों पर साफ शब्दों में नगर पालिका निगम भोपाल लिखा था, अब उसे पर पील रंग पोत कर उसे मिटा दिया गया है। साथ ही यह ट्रक भी टीन की दीवार के अंदर खड़े हुए थे, जो कि अब उससे बाहर सड़क किनारे खुले में खड़े कर दिए गए हैं। इसके बाद पुलिस ने बूचड़खाने को सील कर दिया और इसके संचालक असलम चमड़ा और ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया।

पीएम स्वनिधि योजना

बैंकों ने पथ विक्रेताओं के 1.89 लाख आवेदन लौटाए

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पथ विक्रेताओं के लिए पीएम स्वनिधि योजना-2.0 शुरू की गई, ताकि वे बैंक से ऋण लेकर स्वरोजगार स्थापित कर सकें। लेकिन पथ विक्रेताओं को लोन देने में बैंक रुचि नहीं दिखा रहे हैं। यही वजह है कि पीएम स्वनिधि योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश के पथ विक्रेताओं द्वारा बैंकों में लोन के लिए किए गए 17 लाख 60 हजार 100 आवेदनों में से एक लाख 89 हजार 185 आवेदन लौटा दिए गए। जो 14 लाख 67 हजार 843 आवेदन स्वीकार किए गए, उनमें भी 1,00,012 को मंजूरी नहीं दी गई है और 32,034 लोन वितरण लंबित है। हालांकि 14 लाख 35 हजार 809 आवेदनों में बैंकों से लोन वितरण हुआ है।

इधर, प्रदेश के 11 जिले ऐसे हैं, जहां पीएम स्वनिधि योजना की स्थिति बेहद खराब है। यहां बैंकों ने 52,574 आवेदन लौटा दिए हैं। जिसके चलते अब छोटे व्यापारियों की दिलचस्पी इस योजना में नहीं रह गई है, जबकि इसकी राशि में भी इजाफा कर दिया गया है। पहली बार में दस के स्थान पर अब 15 हजार दिए जा रहे हैं और दूसरी बार में 20 के स्थान पर 25 हजार है।

आवश्यक दस्तावेज पूरे नहीं होने पर आवेदन लौटा दिए जाते हैं: बताया जाता है कि कुछ प्रकरणों में व्यक्ति नहीं पहुंचता है तो कुछ प्रकरणों में लोन के लिए आवश्यक दस्तावेजों पूरी नहीं होते हैं। इस स्थिति में बैंकों द्वारा ऐसे आवेदनों लौटा दिए जाते हैं। मप्र में स्थिति बेहतर है, पीएम स्वनिधि योजना में 75 प्रतिशत प्रकरणों में बैंकों ने लोन दिया है। समय-समय पर इस प्रकरणों की समीक्षा की जाती है और बैंकों को निर्देश दिए जाते हैं कि वे सत प्रतिशत प्रकरणों में लोन स्वीकृत करें।

सीएम हेल्पलाइन: हर 8वीं शिकायत 50 दिन पुरानी

23 दिन में 2.59 लाख शिकायतें 25 हजार से ज्यादा सुनी ही नहीं

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मुख्य सचिव की कलेक्टर-एसपी वीडियो कांफ्रेंसिंग में की गई सख्त टिप्पणी के साथ ही रिव्यू में सामने आया कि लोगों की शिकायत की सुनवाई नहीं हो रही। 1 से 23 जनवरी के बीच प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन पर कुल 2 लाख 59 हजार 479 शिकायतें दर्ज हुईं, लेकिन इनमें से सिर्फ 13.41त्न मामलों में ही शिकायतकर्ता ने संतुष्टि जताई। यानी हर 100 शिकायतों में करीब 87 मामलों में लोग निपटारे से खुश नहीं हैं। हालात यह है कि 50 दिन से ज्यादा समय से लंबित शिकायतों की हिस्सेदारी 12.54 फीसदी तक पहुंच चुकी है। यानी हर आठवीं शिकायत 50 से ज्यादा दिन पुरानी है। इसके अलावा 9.83 फीसदी शिकायतें निम्न गुणवत्ता के साथ बंद की गईं, जिससे निपटारे की प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे हैं। नॉन अटेंडेंट कैटेगरी में 25 हजार 811 का आंकड़ा यह दिखाता है कि बड़ी संख्या में शिकायतें ऐसी हैं, जिनमें शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं किया गया या फील्ड स्तर पर कार्रवाई तक नहीं हुई।

शिकायत निपटारे में सभी जिले डी रेटिंग में: शिकायतों के निराकरण की रेटिंग में प्रदेश के सभी जिले डी श्रेणी में दर्ज हैं। महानगरों को छोड़ दें तो सबसे ज्यादा शिकायतें मुरैना में 8112, सागर में 8022, शिवपुरी में 7662, छतरपुर में 6837, राजगढ़ में 6777 और भिंड में 6473 दर्ज की गई हैं। इसके अलावा विदिशा में 5941, उज्जैन में 5840, गुना में 5464, रायसेन में 5409 और टीकमगढ़ में 5257 शिकायतें दर्ज हैं।

1.74 लाख शिकायतें 100 दिनों से अधिक समय से लंबित

आंकड़े यह दिखाते हैं कि प्रदेश में 1.74 लाख से ज्यादा शिकायतें ऐसी हैं, जो 100 दिनों से अधिक समय से लंबित पड़ी हैं। कम शिकायतों वाले जिलों में अलीराजपुर में 338, बुरहानपुर में 1223, हरदा में 1749, आगर मालवा में 1998, नीमच में 2386, श्योपुर में 2457 और शाजापुर में 2950 शिकायतें दर्ज हैं। वहीं खंडवा में 3200, दतिया में 3611, धार में 3737, नर्मदापुरम में 4063, देवास में 4163 और सीहोर में 4501 शिकायतें हुईं हैं।

निराकरण में सबसे बेहतर ऊर्जा विभाग

दिसंबर माह के आंकड़ों के मुताबिक सबसे ज्यादा शिकायतें राजस्व विभाग में दर्ज हुईं, जहां कुल 61,685 शिकायतों में से सिर्फ 37 फीसदी मामलों में ही शिकायतकर्ता ने संतुष्टि जताई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग में 57,734 शिकायतें आईं, जिनमें 39 फीसदी संतुष्टि के साथ बंद हुईं। जबकि ऊर्जा विभाग में 42,462 शिकायतों में 60 फीसदी संतुष्टि के साथ निपटारा दिखाया गया, जो प्रमुख विभागों में सबसे बेहतर स्थिति है।

तीन दिनी मातृभाषा समारोह कल से

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बीएचईएल दशहरा मैदान गोविन्दपुरा में कल से तीन दिवसीय मातृभाषा समारोह 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन मातृभाषा मंच के तत्वावधान में किया जाएगा। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम व पारंपरिक भोजनों के स्टॉल एवं भारतीय विचारों की प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी। आयोजन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मातृभाषा को शिक्षा का आधार बनाने पर जोर दिया जाएगा। जिससे कि बच्चों में समझ गहरी हो सके और सीखने की रूचि बढ़े। आत्मविश्वास आये और विद्यार्थी का सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव हो सके। मातृभाषा में शिक्षा से ज्ञान ही नहीं बढ़ता उसके साथ.साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता भी मिलती है। संज्ञानात्मक और भावनात्मक विकास भी होता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इसके साथ ही भारतीय ज्ञान परम्परा पर भी जोर देती है। मातृभाषा मंच भोपाल महानगर में इन दोनों ही विषयों में गंभीरता से कार्य करने वाली संस्था है। उल्लेखनीय है कि मातृभाषा के महत्व को अंतर्राष्ट्रीय जगत द्वारा मान्यता प्रदान करते हुये संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया है। इस अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की जनक भारत की बाँग्ला भाषा है। समाज में मातृभाषा के व्यवहारिक प्रयोग को बढ़ानेए मातृभाषा के प्रयोग से परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत की धरोहर को सहेज कर उसे नवीन पीढ़ी को सौंपने की आवश्यकता है।

प्रश्नोत्तरी के बहाने कथाकार कमलेश्वर का स्मरण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में कमलेश्वर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके व्यक्तित्व -कृतित्व पर केन्द्रित प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कहानीकार पंकज सुबीर ने की । मुख्य अतिथि दुष्यन्त जी के बेटे आलोक त्यागी और विशिष्ट अतिथि कमलेश्वर जी की बेटी ममता कमलेश्वर थीं। इस अवसर पर कमलेश्वर की चर्चित कृति 'काली आंधी' जिस पर आंधी फिल्म का निर्माण हुआ, यादों के चिराग, जलती हुई नदी, अधूरी आवाज और रेत पर लिखे नाम समूह के बनाए गए । काली आंधी में सत्यदेव सोनी सत्य, शशि बंसल, कमलेश नूर, प्रेक्षा सक्सेना, प्रतिभा श्रीवास्तव और राजेश विश्वकर्मा शामिल थे । समूह दो यादों के चिराग में मनोज गुप्ता ,लक्ष्मीकांत जवणे, प्रदीप श्रीवास्तव, सुरेश शर्मा ,अरुण गुप्ता, मधु भूषण सिंघल शामिल थे । समूह तीन जलती हुई नदी में रूपाली सक्सेना, वर्षा चौबे ,बिहारी लाल सोनी प्रतिभा द्विवेदी, अपर्णा पात्रीकर और अभिलाषा श्रीवास्तव शामिल रही। चौथे समूह अधूरी आवाज में वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, अनिल खरे के के श्रीवास्तव, कविता शिरोले, वीणा विद्या गुप्ता और रेनू श्रीवास्तव शामिल थी। रेत पर लिखे नाम में मृदुल त्यागी, अनीता खरे, सीमा स्वरांगिनी खरे और मंजू गुप्ता शामिल थी । पहला स्थान- यादों के चिराग, द्वितीय- स्थान काली आंधी और तृतीय- अधूरी आवाज को मिला। इन समूहों को क्रमशः 1001,701, और 501 रुपए की सम्मान निधि प्रदान की गई। आयोजन का संचालन संयोजन सुरेश पटवा ने किया। कार्यक्रम में स्वागत उदबोधन संस्था की ओर से निदेशक करुणा राजुरकर ने और अंत में आभार अध्यक्ष रामराव वामनकर ने व्यक्त किया।

मेट्रो एंकर

गुणवत्तायुक्त शिक्षा के क्षेत्र में सरकार का कदम

हर पांच किमी के दायरे में खुलेंगे आधुनिक सांदीपनि विद्यालय

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार का संकल्प है कि हर विद्यार्थी तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे। इसी दिशा में भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षा स्थली से प्रेरणा लेकर प्रदेश में हर पांच किलोमीटर के दायरे में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले सांदीपनि विद्यालय विकसित किए जाएंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने बुधवार को राजधानी के उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन व अभिनंदन समारोह में दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अब तक प्रदेश में 369 ऐसे विद्यालय प्रारंभ हो चुके हैं। मध्य प्रदेश का शैक्षिक मॉडल, जिसमें डिजिटल सुविधाएं और नई शिक्षा नीति का समावेश है, पूरे देश के लिए एक नजीर बन रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और स्कूल शिक्षा मंत्री

उदय प्रताप सिंह ने अपने-अपने गुरुजनों सहित पांच वरिष्ठ सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल-श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। इनमें उज्जैन की कोकिला सिंह, देवास के देवकृष्ण व्यास, राजगढ़ के ब्रजमोहन आचार्य व किशन लाल नाकड़ा और नरसिंहपुर के बद्री प्रसाद तिवारी(शिक्षा मंत्री के प्रथम गुरु) शामिल रहे। सम्मेलन के दौरान मध्य प्रदेश शिक्षक संघ की 55 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित एक विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे राष्ट्र की असल पूंजी हैं। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के तहत प्रदेश के 8.50 लाख से अधिक विद्यार्थियों की शिक्षा के लिए सरकार ने पुख्ता और स्थायी प्रबंध सुनिश्चित किए हैं। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे केवल पाठ्यक्रम न पढ़ाएं, बल्कि विद्यार्थियों में उन संस्कारों का बीजारोपण करें, जो उन्हें एक आदर्श नागरिक बनाएं। राजधानी के सुभाष उत्कृष्ट विद्यालय में बुधवार को एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने राजनीति और पद की गरिमा से ऊपर उठकर गुरु-शिष्य परंपरा की महानता को जीवंत कर दिया। मध्य प्रदेश शिक्षक संघ द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय शैक्षिक गुणवत्ता शिक्षक सम्मेलन में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी घोषणाएं कीं, बल्कि अपनी प्रथम गुरु कोकिला सिंह के मंच पर पहुंचते ही स्वयं आगे बढ़कर उनके चरण स्पर्श किए और आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री का यह विनम्र भाव देख पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

किसान समृद्धि की नई शुरूआत : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राजधानी भोपाल से रविवार को कृषक कल्याण वर्ष 2026 का भव्य एवं गरिमापूर्ण शुभारंभ किया। उन्होंने शुभारंभ अवसर पर किसानों की ऐतिहासिक 1101 ट्रेक्टरों की रैली का नेतृत्व किया। विशाल संख्या में ट्रैक्टरों की अनुशासित सहभागिता ने कार्यक्रम को ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया। ट्रैक्टर रैली में किसानों के उत्साह को देखकर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह ट्रैक्टर रैली केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि किसानों की एकजुटता, आत्मविश्वास और प्रदेश सरकार की किसान-हितैषी सोच का सशक्त प्रतीक है। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि राज्य सरकार कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए किसानों के हित में निरंतर और ठोस कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में भावुक एवं प्रेरक क्षण तब आया, जब मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वयं ट्रैक्टर की कमान संभाली। ट्रैक्टर चालक से आग्रह कर ट्रैक्टर पर बैठना और उसे चलाना मुख्यमंत्री की सहजता और किसानों के श्रम के प्रति सम्मान को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की इस सादगी और आत्मीयता ने उपस्थित जनसमुदाय को भाव-विभोर कर दिया। किसानों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ किसान बने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार की नीतियों का केंद्र किसान, नारी, युवा और गरीब हैं। इन चारों वर्गों के सशक्तिकरण को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार योजनाओं और कार्यक्रमों का निर्धारण कर रही है, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे।

> मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की। डनहोंने कहा कि इस दौरान किसानों के हितों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। कृषक कल्याण वर्ष के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार के 16 विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे, जिससे कृषि से जुड़े सभी आयाम—उत्पादन, लागत, विपणन, आय और कल्याण एक साथ सुदृढ़ हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश की कृषि विकास दर 16 प्रतिशत तक पहुँच चुकी है, जो राज्य की कृषि क्षमता और नीतिगत प्रयासों की सफलता दर्शाती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का लक्ष्य केवल उत्पादन बढ़ाना ही नहीं, बल्कि किसानों की आमदनी में वृद्धि और कृषि लागत में कमी लाने के लिए ठोस एवं व्यावहारिक उपायों को धरातल पर उतारना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषि कल्याण वर्ष 2026 के संकल्प की पूर्ति का यह पहला दिन है। पूरे वर्ष विकास एवं मंगल कार्यक्रम निरंतर संचालित किए जाएंगे। सरकार का प्रयास रहेगा कि किसान समृद्ध हों, कृषि टिकाऊ बने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिले।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की घोषणा की

प्रमुख बिन्दु

- कृषक कल्याण वर्ष का महाशुभारंभ
- सीएम की अगुवाई में किसानों की अनुशासित ट्रैक्टर रैली
- 1100 ट्रैक्टर की अनुशासित रैली के साथ कृषक कल्याण वर्ष का आग़ाज़
- किसान कल्याण का ऐतिहासिक दिन, कृषक कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- किसान समृद्धि की नई शुरुआत : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ
- अन्नदाता के सम्मान और सशक्तिकरण को समर्पित : किसान कल्याण वर्ष आरंभ
- खेत से खुशहाली तक : किसान कल्याण वर्ष का भव्य आगाज़
- किसान मजबूत, प्रदेश समृद्ध : किसान कल्याण वर्ष का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन (कृपया स्कैन करें)

किसान कल्याण के लिए प्रदेश सरकार के संकल्प

कृषक कल्याण वर्ष का कैलेंडर हुआ जारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत सालभर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। फरवरी में कोदो-कुटकी बोनस वितरण, मार्च में प्राकृतिक खेती संगोष्ठी और मई में नर्मदापुरम् का प्रसिद्ध 'आम महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। अगस्त-सितम्बर में इन्दौर में एफपीओ कन्वेंशन और छिंदवाड़ा में एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर निधि पर कार्यशालाएं होंगी। अक्टूबर और नवम्बर के महीने में 'फूड फेस्टिवल' और नरसिंहपुर में 'गन्ना महोत्सव' आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों की सुविधा के लिए हम सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी, बिजली, शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण, फसलों पर समर्थन मूल्य और फसल बीमा की राशि का समय पर अंतरण किया जा रहा है। सरकार हर कदम पर किसानों के साथ है। किसानों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हम कृषक कल्याण वर्ष को सफल बनाएंगे।

फसल सुरक्षा के लिए करेंगे समुचित प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कुछ फसलें जल्दी नष्ट हो जाती हैं, तो किसानों को ऐसी फसल को कम दाम में बेचकर नुकसान उठाना पड़ता है। ऐसी शीघ्रनाशी फसलों वाले स्थान चिन्हित कर इन स्थानों पर फूड पार्क और फूड प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर किसानों की फसल सुरक्षा सुनिश्चित की जायेगी। इससे किसानों को उनकी उपज का भरपूर दाम मिल सकेगा।

मुख्यमंत्री ने डॉ. यादव ने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, लागत घटाने और खेती को स्थायी करने के लिए हमारी सरकार ने 10 दिशात्मक मॉडल तैयार किये हैं। यह मॉडल हमारे लिए 10 संकल्प की तरह हैं। इसके तहत हम कृषि बदलाव की बड़ी परियोजनाओं पर हम युद्ध स्तर पर काम करेंगें। किसानों की आय वृद्धि एवं वेस्ट में कमी लाने का पूरा प्रयास करेंगे। प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को मिशन मोड पर बढ़ावा देंगे। संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए पर 'ड्रॉप मोर क्रॉप 2.0' और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देंगे। कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने के लिए कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट (सीबीजी) की स्थापना की जाएगा। 'एमपी ग्लोबल एग्री ब्रांडिंग' और 'एग्री-हैकाथॉन' जैसे नवाचारों पर विशेष फोकस करेंगे। प्रदेश के कृषि उत्पादों की ब्रांडिंग की जाएगी, निर्यात पर फोकस होगा।, कृषि आधारित उद्योग और फूड प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा देंगे। रिसर्च, इनोवेशन एवं सशक्तिकरण की दिशा में काम किया जाएगा। युवाओं को खेती के लिए प्रेरित करेंगे। साथ ही आधुनिक तकनीक को खेती-किसानी का अहम हिस्सा बनाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अन्नदाता मध्यप्रदेश के माथे का तिलक हैं, जिसका तिलक खेत की मिट्टी है, वही मध्यप्रदेश का किसान है। उन्होंने कहा कि किसानों का पसीना प्रदेश की पहचान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष के शुभारम्भ के साथ हम आत्मनिर्भर और समृद्ध किसान, उन्नत कृषि और मूल्य श्रृंखला आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के माध्यम से समृद्ध प्रदेश का निर्माण करेंगे। किसानों की आय बढ़ाने और आय को स्थाई करेंगे, खेती को लाभ का धंधा बनाएंगे। तकनीक, नवाचार और वैज्ञानिक सोच से खेती को उन्नत करेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष हम कृषि आधारित उद्योग, फूड प्रोसिसिंग यूनिट को बढ़ावा देंगे। प्राकृतिक एवं जैविक कृषि को मिशन मोड में बढ़ावा देंगे। अपशिष्ट से बायोगैस, एथेनॉल और हरित ऊर्जा से किसान को ऊर्जादाता बनाएंगे। पर ड्रॉप मोर क्रॉप 2.0% और मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रदेश के कृषि उत्पादों के ब्रांडिंग की जाएगी, निर्यात पर विशेष फोकस होगा। रिसर्च, इनोवेशन के माध्यम से कृषक सशक्तिकरण की दिशा में काम करेंगे। युवाओं को भी खेती से जोड़ेंगे। कृषि पर्यटन से गांवों में नए रोजगार और पहचान के अवसर पैदा होंगे। कृषि के साथ डेयरी, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण सेक्टर्स सहित फल, सब्जी मसाला एवं औषधीय फसलों के उत्पादन को भी मजबूती से बढ़ावा देंगे।

प्रदर्शनी का शुभारंभ और कन्या पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सम्मेलन स्थल पर आयोजित कृषि विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। गौमाता पूजन एवं उन्हें रोटी खिलाकर सम्मेलन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदर्शनी के हर स्टॉल में जाकर मुआयना किया और संबंधितों से चर्चा भी की। प्रदर्शनी में देशी-विदेशी नस्ल के गौवंश का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में 65 प्रकार के उन्नत कृषि यंत्रों का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित करने के साथ कन्या पूजन कर विशाल किसान सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं में हितलाभ भी वितरित किये।

किसानों को लौटाएंगे उनका वैभव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष में सरकार प्रदेश के किसानों के समग्र कल्याण के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। सालभर विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के जरिए सरकार के 16 से अधिक विभाग/मंत्रालय आपसी समन्वय से किसानों को उनका वैभव लौटाएंगे।

एक नजर में

- कृषक कल्याण वर्ष मनाने वाला देश का पहला राज्य बना मध्यप्रदेश
- प्रदेश में खेती का रकबा लगातार बढ़ रहा है; देश का पहला राज्य
- किसान करेंगे सूरज की खेती; प्रदेश होगा ऊर्जा में सरप्लस
- हर किसान के पास होगा सोलर पंप; सिंचाई की झंझट से मिलेगी मुक्ति
- भावान्तर को लागू करने मध्यप्रदेश बना देश में अग्रणी
- प्राकृतिक खेती को मिलेगा प्रदेश में बढ़ावा
- सरकार बढ़ा रही है कस्टम हायरिंग सेंटर की संख्या ; किसानों को मिलेगी सहूलियत
- 16 मंत्रालय को किसान हित से जोड़ेंगे; बनायेंगे किसानों को समृद्ध
- नदियों को जोड़कर प्रदेश को बनायेंगे सिंचाई में सक्षम
- दुग्ध उत्पादन में प्रदेश बनायेगा देश में नई पहचान
- भावान्तर ने किसानों को उपज का सही मूल्य दिलाया
- प्रदेश में हर क्षेत्र में फूड पार्क की होगी स्थापना
- किसान को बनायेंगे उद्योगपति
- तीस लाख किसानों को तीन साल में उपलब्ध करायेंगे सोलर पंप
- प्रदेश में आयोजित होगा सोलर सम्मेलन
- कृषि बदलाव परियोजना पर होगा फ़ोकस
- खाद वितरण में लाइन लगने की व्यवस्था को करेंगे ख़त्म
- कृषि उपज के मूल्य में होगा स्थिरीकरण

CMMadhyaPradesh
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आधिकारिक अपडेट्स के लिए सोशल मीडिया हैंडल्स को फॉलो करें

कृषक कल्याण वर्ष 2026 का कैलेंडर

जनवरी 2026
■ जबलपुर में कृषि आधारित कौशल विकास एवं कस्टम हायरिंग राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ गुलाब उद्यान भोपाल में राष्ट्र स्तरीय गुलाब महोत्सव ■ राजमाता विजयराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ■ ग्वालियर कृषि मंथन।

फरवरी 2026
■ डिंडोरी-उमरिया-मंडला में कोदो, कुटकी बोनस वितरण कार्यक्रम ■ मंदसौर में सोयाबीन भावांतर भुगतान समापन कार्यक्रम ■ रीवा में एग्रीटेक एवं डिजिटल कृषि प्रदर्शनी।

मार्च 2026
■ रवीन्द्र भवन, कुशाभाऊ ठाकरे सभागृह भोपाल में प्राकृतिक खेती राष्ट्रीय संगोष्ठी ■ ग्वालियर में क्षेत्रीय दुग्ध संघों के स्तर पर दुग्ध उत्पादकों का सम्मेलन ■ इंदौर में मैत्री, गौसेवक गो प्रमाण.पत्र वितरण किया जाना एवं विभाग की प्रदर्शनी का प्रदर्शन।

अप्रैल 2026
■ जबलपुर संभाग में मखाना, मशरूम, मधुमक्खी पालन पर राज्य स्तरीय कार्यशाला ■ शहडोल में प्राकृतिक ■ खेती राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन।

मई 2026
■ नर्मदापुरम संभाग में राष्ट्र स्तरीय आम महोत्सव ■ सिवनी में धान महोत्सव.राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ सागर में राज्य स्तरीय सहकारिता सम्मेलन।

जून 2026
■ उज्जैन में राज्य स्तरीय कृषि उपज निर्यात प्रोत्साहन कार्यशाला ■ शाजापुर में सोया महोत्सव एवं प्राकृतिक खेती का प्रचार-प्रसार राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन.

जुलाई 2026
■ खरगौन में कपास एवं मिर्च महोत्सव, राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ जबलपुर में इनलेंड फिशरिज और एक्वाकल्चर कार्यक्रम।

अगस्त 2026
■ भोपाल में एमपीसीडीएफ में तैयार हो रही राज्य स्तरीय केन्द्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला का लोकार्पण ■ भोपाल में भोपाल दुग्ध संबंध में तैयार हो रही दुग्ध उत्पाद निर्माण डेयरी का लोकार्पण ■ इंदौर में कृषक उत्पादक संगठनों का सम्मेलन।

सितम्बर 2026
■ छिंदवाड़ा में कृषि अधोसंरचाना निधि योजना अंतर्गत लाभान्वित हितग्राहियों की राज्य स्तरीय कार्यशाला ■ उज्जैन में राज्य स्तरीय उत्कृष्ट कार्य करने वाले मैदानी कार्यकर्ता तथा पशुपालकों को पुरस्कृत किया जाना एवं विभागीय योजनाओं के हितग्राहियों को लाभान्वित करना।

अक्टूबर 2026
■ भोपाल में फसल अवशेष प्रबंधन ; कार्यशालाए प्रत्येक संभाग में फूड फेस्टिवल ■ जबलपुर में एक्वाकल्चर मार्केटिंग सिम्पमोजियम।

नवम्बर 2026
■ नरसिंहपुर में गन्ना महोत्सव. राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन ■ इंदौर संभाग में राज्य स्तरीय उच्च मूल्य वाली उद्यानिकी फसल महोत्सव।

किसान कल्याण ▶ कृषि उद्योगों में किसानों की बढ़ाएंगे भागीदारी

कृषक कल्याण वर्ष में किसानों का करेंगे समग्र कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के किसानों के लिए वर्ष 2026 नई उम्मीदों और नए अवसरों का वर्ष होगा। किसान हमारे अन्नदाता हैं, जो अपने परिश्रम से देश और समाज का उदर-पोषण करते हैं। किसानों को आत्मनिर्भर बनाकर उनकी समृद्धि सुनिश्चित करना ही सरकार का एकमात्र ध्येय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विशाल किसान सम्मेलन में वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाने की अधिकृत घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी। आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई, भंडारण और बाजार तक बेहतर पहुंच के माध्यम से खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कृषि केवल आजीविका का एक साधन ही नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। कृषि क्षेत्र के सशक्तिकरण में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान सम्मेलन के दौरान ई-विकास, वितरण एवं कृषि उर्वरक आपूर्ति सामधान प्रणाली (विकास पोर्टल) का शुभारंभ किया। कृषक कल्याण वर्ष 2026 में किसानों की आमदनी बढ़ाने सहित इनकी बेहतरी और खुशहाली के लिए किए जाने वाले प्रयासों के संबंध में एक लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। किसान सम्मेलन में सरकार की विभिन्न योजनाओं, नवाचारों और भावी कार्ययोजना की जानकारी भी किसानों को दी गई।

किसानों के हित में हमने जो कहा, वह करके दिखाया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों के हित में हमने जो कहा, वह करके दिखाया है। प्रदेश में श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए डिण्डोरी जिले में मध्यप्रदेश राज्य श्रीअन्न अनुसंधान केंद्र की स्थापना की जाएगी। इससे श्रीअन्न का उत्पादन और पोषण सुरक्षा को नई ऊंचाई मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्वालियर में सरसों अनुसंधान और उज्जैन में चना अनुसंधान केंद्र स्थापित किए जा रहा हैं। इन केंद्रों के जरिए इन फसलों की गुणवत्ता और पैदावार बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाएगा।

D-16153/25

एविएशन सेफ्टी पर सवाल

अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसा और बारामती में महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार के विमान का क्रैश होना - ये दो बिल्कुल अलग घटनाएं दिख सकती हैं, लेकिन दोनों ने ही देश को स्तब्ध कर दिया है और दोनों कई सवाल छोड़ गई है। अहमदाबाद केस की जांच अब भी जारी है और हर कुछ दिन ऐसी बातें सामने आती हैं, जिनसे मदद के बजाय उलझन ज्यादा होती है। वहीं, बारामती हादसा शुरू से कई गंभीर कमियों की ओर इशारा कर रहा है। DGCA की ओर से दी शुरुआती जानकारी से साफ है कि विमान के पायलट को रनवे नहीं दिख रहा था। पहली बार लैंडिंग की कोशिश नाकाम हुई, तो विमान ने हवा में फिर से चक्कर लगाया। दूसरी बार भी शुरुआत में रनवे नहीं दिख रहा था, लेकिन कुछ देर बाद कहा गया कि रनवे दिखने लगा है। इसके कुछ क्षणों बाद ही भयानक हादसा हो गया।

अथॉरिटी के मुताबिक, क्रू ने मेडे कॉल नहीं दी। विमानन क्षेत्र में मेडे वह चेतावनी है, जो अति गंभीर स्थिति में जारी की जाती है। अगर आखिरी वक्त में हालात पूरी तरह से नियंत्रण में नहीं थे तो मेडे कॉल क्यों नहीं दी गई? दूसरी चिंता फ्लाइंग कंडीशन को लेकर है। बारामती में ट्रैफिक सर्विस और सूचनाएं एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया नहीं, फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गनाइजेशंस की तरफ से उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे एयरफील्ड को अन कंट्रोल्ड कहते हैं और आमतौर पर यहां सुविधाएं कम होती हैं। तो जब विजिबिलिटी का संकट था और दो बार रनवे नहीं दिखा, क्या लैंडिंग के जोखिम को नजरअंदाज किया गया? अजित पवार जिस विमान में सवार थे, वह VSR Ventures का है। सितंबर 2023 में इसी कंपनी का एक विमान मुंबई एयरपोर्ट पर हादसे का शिकार हो गया था। तब गनीमत रही कि उसमें किसी की जान नहीं गई। हालांकि उस दुर्घटना की अंतिम जांच रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक नहीं हुई, जबकि ज्यादातर कार्रवाई पूरी की जा चुकी चुकी है। ऐसे मामलों में देरी का मतलब है किसी और दुर्घटना को रोकने के लिए मिलने वाले समय को गंवा देना। कंपनी के दोनों विमान अलग हैं और एक हादसे को दूसरे से नहीं जोड़ा जा सकता। यहां मकसद किसी पर दोष डालना भी नहीं। लेकिन, इस क्षेत्र में हर हादसा एक सबक होता है, जिससे सीख लेकर आगे कई हादसों को टाला जा सकता है। जब राजनीतिक तौर पर इतनी बड़ी क्षति हुई है, 5 जानें गई हैं, तब यह कहने भर से जिम्मेदारी पूरी नहीं होती कि सेफ्टी जांच में सब सही मिला था।

आरक्षण की राजनीतिः योग्यता, न्याय और यूजीसी 'समता' का जाल

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

भारत की आरक्षण नीति, जो कभी सामाजिक न्याय का औज़ार थी, आज पहचान की राजनीति और योग्यता की बहस के बीच फँस चुकी है। सवर्ण युवाओं की जाति रहित दृष्टि को व्यवस्था लगातार नकारती रही है, जबकि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नए समता संवर्द्धन विनियम विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी का एक नया तंत्र खड़ा कर रहे हैं। न्याय के नाम पर राजनीति हावी है और शिक्षा उसका मैदान बन गई है।

आरक्षण की जड़ें स्वतंत्रता-पूर्व काल में हैं। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने दलितों के ऐतिहासिक उत्पीड़न के प्रतिकार के लिए प्रतिनिधित्व की माँग उठाई। संविधान के अनुच्छेद 15(4) और 16(4) के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण स्वीकार हुआ। 1950 के दशक में 15 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 7.5 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति तय हुआ। 1990 में मंडल आयोग ने अन्य पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत दिया। इंदिरा साहनी मामले (1992) में सर्वोच्च न्यायालय ने 50 प्रतिशत की सीमा तय की- यह स्वीकारते हुए कि असीम आरक्षण, योग्यता और प्रतिस्पर्धा को क्षति पहुँचा सकता है।

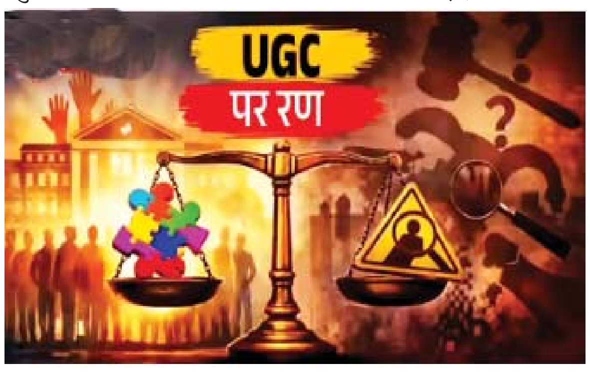

समय के साथ बदलाव आए। 2019 के 103वें संविधान संशोधन से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण मिला-जाति से इतर आर्थिक आधार को संवैधानिक मान्यता मिली। पर अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त अनुपालन अब भी अधूरा है। नागराज मामले (2006) ने पदोन्नति में आरक्षण को वैध ठहराया, पर आँकड़ों के संग्रह को अनिवार्य किया-जो अक्सर औपचारिकता बनकर रह गया। राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन (2019-20) के अनुसार उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से ऊपर है, पर ड्रॉपआउट दर 20-25 प्रतिशत बनी हुई है। यह तथ्य तैयारी और प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर की ओर संकेत करता है, न कि केवल भेदभाव की ओर। संयुक्त प्रवेश परीक्षा और राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा में कोटा विवाद थमता नहीं। भारतीय अर्थव्यवस्था निगरानी केंद्र (2023) बताता है कि 70 प्रतिशत युवा जाति को अप्रासंगिक मानते हैं- खासकर सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्रों में। फिर भी प्रमाणपत्रों और अंकतालिकाओं पर जाति की मुहर चेतना पर बोझ बनती जा रही है। फौजी परिवारों तथा अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय शिक्षा वाले युवाओं के लिए जाति एक बंद फ़ाइल है- जिसे व्यवस्था बार-बार खोल देती है।

इससे एकीकरण नहीं, सामाजिक दूरी बढ़ने की आशंका है।

यह ढाँचा अमेरिकी विविधता, समता और समावेशन मॉडल से प्रेरित प्रतीत होता है, जबकि 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षा में नस्ल-आधारित सकारात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई। भारत जैसे जटिल सामाजिक ढाँचे में आयातित निगरानी उलटा असर डाल सकती है। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार सामान्य कटऑफ से अधिक अंक लाता है, तो उसे योग्यता के आधार पर अनारक्षित सीट मिलेगी- आरक्षण का कोटा खाली नहीं छोड़ा जाएगा। यह इंदिरा साहनी की भावना के अनुरूप है कि आरक्षण प्रतिनिधित्व का साधन है, कोई रियायत नहीं। हालांकि, संकाय भर्ती और पदोन्नति पर इसका प्रभाव सीमित है; कुछ राज्यों में 65 प्रतिशत से अधिक आरक्षण अब भी न्यायिक समीक्षा में है।

आँकड़े मिश्रित तस्वीर दिखाते हैं। उच्च शिक्षा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का नामांकन 50 प्रतिशत से अधिक है। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में लगभग 49.5 प्रतिशत कोटा भरा है, जबकि निजी क्षेत्र में लगभग 90 प्रतिशत नियुक्तियाँ योग्यता आधारित हैं। बेरोज़गारी लगभग 23 प्रतिशत बनी हुई है। मूल समस्या जाति से अधिक शिक्षा की गुणवत्ता और पूर्व-तैयारी की कमी है।

हरियाणा की पंचायतों में 73वें संविधान संशोधन के तहत 50 प्रतिशत महिला आरक्षण ने राजनीतिक चेतना बढ़ाई। प्रॉक्सी सरपंच जैसी समस्याएँ रहीं, पर समय के साथ निर्णय क्षमता और भागीदारी बढ़ी। अहम यह कि वहाँ निगरानी-दस्ता नहीं था; स्वाभाविक एकीकरण हुआ। यह दिखाता है कि आरक्षण सशक्तिकरण के लिए हो, स्थायी विभाजन के लिए नहीं। समाधान स्पष्ट हैं- आर्थिक आधार को मज़बूत किया जाए, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आरक्षण का लक्ष्यीकरण बेहतर हो; प्रत्येक जिले में निःशुल्क पूर्व तैयारी और कोचिंग केंद्र स्थापित हों; अन्य पिछड़ा वर्ग और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में क्रीमी लेयर का सख़्त पालन हो; विश्वविद्यालय परिसरों में निगरानी के बजाय सहयोगी कार्यशालाएँ हों; हर दस वर्ष में आंकड़ों के आधार पर कोटा की समीक्षा की जाए और स्कूल स्तर पर विज्ञान, गणित और भाषा की गुणवत्ता सुधारी जाए।

आज का युवा जाति से आगे देखता है- वह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और स्पेसएक्स से प्रेरित है। लेकिन नीतिगत अभ्यास उसे पहचान की राजनीति में उलझा रहे हैं। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की समता निगरानी दूरी बढ़ा सकती है। समय है कि योग्यता को प्राथमिकता दी जाए, न्याय को आर्थिक आधार दिया जाए और पंचायतों की तरह सशक्तिकरण बिना विभाजन का रास्ता चुना जाए। राष्ट्र पहले- जाति साधन हो, लक्ष्य नहीं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

धर्मगुरु के चोले में विपक्ष की राजनीति का औजार बने अविमुक्तेश्वरानंद

मनोज कुमार अग्रवाल
पत्रकार

इन दिनों युगों से चले आ रहे प्रयागराज माघ स्नान की सनातनी महिमा को दरकिनार कर एक धर्मगुरु की अहमन्यता ने बखेड़ा खड़ा कर दिया है। इस तरह एक माह चलने वाले जिस सनातनी महापर्व से देश के कोने-कोने तक और समूचे विश्व में अध्यात्मिक चेतना का संदेश दिया जाना चाहिए था वह सिर्फ एक धर्मगुरु की जिद से पैदा विवाद के चलते तमाम मीडिया को खुद पर केंद्रित कर संस्कृति और धर्म को ठेस पहुंचाने के धतकरम में फंस गया है। वास्तव में यह एक बड़ा प्रोपेगेंडा है जिसकी कमान विरोधी दलों के नीति नियंताओ के हाथों में है और हमारे कथित धर्मगुरु उनकी उंगलियों के ईशारे पर एक महान संस्कृति के गौरव पूर्ण सांस्कृतिक अध्यात्मिक पर्व में विघ्न पहुंचाने की कुचेष्टा कर अपने अहम की तुष्टि कर रहे हैं।

सवाल उठता है कि इन धर्मगुरु के लिए पालकी की सवारी अधिक महत्वपूर्ण है या माघ स्नान। क्योकि इन्होंने सिर्फ अपनी पालकी से उतर कर पचास कदम पैदल चलना स्वीकार नहीं किया लेकिन माघ स्नान की परवी के स्नान को त्याग दिया। स्पष्ट है कि इनके लिए सनातनी मान्यताओं से अधिक अपनी मिथ्या अहंकार और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन अधिक प्रिय है। दरअसल यह वह व्यक्ति है जो पिछले एक लंबे समय से सनातन धर्मगुरु का चोला पहन कर सनातन को ही घोर अपमान और क्षति पहुचाने में व्यस्त हैं। ये कोई पहला मौका नहीं है जब तथाकथित शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सुर्खियों में बने हुए हैं। इससे पहले अपने विवादित बयानों को लेकर भी वो कई बार चर्चाओं में रहे हैं। आज हम आपको उनके तमाम बयानों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें लेकर एक समय बवाल मचा था। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा कि राहुल गांधी हिंदू नहीं हैं और इसलिए उन्हें राम मंदिर में प्रवेश नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से अपील करता हूं कि राहुल गांधी को राम मंदिर में प्रवेश न करने दें। जो व्यक्ति हिंदुओं को गाली देता है, वह वहां जाने के लायक नहीं है।

सिंधु जल रोकने के मामले में भी अविमुक्तेश्वरानंद ने अलग सुर अलापा। उन्होंने कहा पाकिस्तान के लिए। जब हमने भारत सरकार की जल रोकने की व्यवस्था के बारे में पता किया। तो पता चला कि सरकार के पास कोई व्यवस्था ही नहीं है। अगर सरकार इसको रोकने की तैयारी करें तो कम से कम 20 साल लगेगा और पैसा कितना लगेगा, उसकी कोई बात ही नहीं है। संधि को खत्म करके जनता को मूर्ख नहीं बना सकते। अप्रैल 2025 में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा था कि यह बिल मुस्लिमों के लिए एक 'सौगात-ए-मोदी है। उनके अनुसार, यह सिर्फ एक जुमला है क्योंकि आज तक न तो वक्फ संपत्ति सरकारी हुई है और न ही हिंदू समाज को इसका कोई लाभ हुआ है। उनका कहना था कि यह एक राजनीतिक शिगूफा मात्र है।

गौहत्या पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा था कि हमे भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक ही सवाल पूछना है, तुम हिन्दू हो।।तुम्हारे पास ताकत है और तुम गद्दी पर बैठे हो। तुमने हिन्दुओं के वोट लिए हैं। तुम गाय के बछड़े को दुलारते हुए दिखाई भी दे रहे हो। बावजूद इसके क्या कारण है कि पीएम गौ हत्या को बंद नहीं करा रहे हैं। क्या दबाव है इसको सार्वजनिक करो। या फिर हिन्दू-हिन्दू वाला नाटक छोड़ो। जुलाई 2024, को अविमुक्तेश्वरानंद ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। तब अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद् और निरंजनी अखाड़ा के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने इस मामले पर जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद के पास अगर सोना चोरी का सबूत है तो उन्हें पुलिस या कोर्ट को सौंपे। उन्होंने कहा था कि अगर उनके पास प्रमाण नहीं है तो सुर्खियों में बने रहने के लिए अनर्गल बयानबाजी न करें। इतना ही नहीं काशी विश्वनाथ मंदिर गलियारे पर भी असहज राग अलापते हुए कहा कि उन्होंने काशी में मंदिर तोड़े, सिर्फ मंदिर ही नहीं दो-दो हजार साल, 1500 साल, हजार साल पुरानी मूर्तियों को तोड़कर जब उन्हें मलबे में फेंका तो हमसे नहीं देखा गया। हमने विरोध किया और आज भी करते हैं और जब तक जीवित रहेंगे तब तक करते रहेंगे। इन दिनों अविमुक्तेश्वरानंद खुलेआम योगी आदित्यनाथ जी के लिए तू तड़ाक बोल रहे हैं, योगी को संत मानने से इंकार कर रहे हैं।

योगी के खिलाफ इतना एजेंडा सपा, कांग्रेस, बसपा और पूरा इंडी गठबंधन नहीं चला सका है, जितना एजेंडा ये तथाकथित शंकराचार्य चला रहे हैं। जब पालघर में साधुओं को मारा गया तो अविमुक्तेश्वरानंद चुप रहे और भाजपा की सरकार बनी तो कहा कि उन्हें इस बात का दुख है कि उद्धव ठाकरे सीएम नहीं रहे। देश में चार शंकर पीठें हैं लेकिन सिर्फ ये तथाकथित शंकराचार्य ही लगातार सुर्खियों में क्यों रहते हैं ? माघमेला में पुरी पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य निश्चलानंद जी भी गए हैं लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ। सभी अखाड़ों, हजारों संतों ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ। करोड़ों श्रद्धालुओं ने स्नान किया लेकिन कहीं कोई बवाल नहीं हुआ जैसे ही अविमुक्तेश्वरानंद पहुंचे तो बवाल हो गया। अविमुक्तेश्वरानंद का ईगो देखिए वह मौनी अमावस्या के दिन रथ पर सवार होकर और अपने साथ भीड़ लेकर संगम नोज की तरफ निकल पड़े पुल नंबर दो बंद था लेकिन इन्होंने व इनके शिष्यों ने जबरन पुल नंबर दो खोल दिया और अविमुक्तेश्वरानंद अवैध रास्ते से रथ पर सवार होकर संगम नोज के पास 50 मीटर दूर तक पहुंच गए। यहां प्रशासन ने इन्हें रोका और कहा कि महाराज जी, संगम नोज सिर्फ 1 मिनट की दूरी पर है, कृपया रथ से उतारकर पैदल ही संगम नोज तक चलें क्योंकि लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ है रथ से चलेंगे तो समस्या हो सकती है। करोड़ों श्रद्धालु कष्ट उठाकर माघ मेले में स्नान करने आए हैं लेकिन ये महाराज जी 50 मीटर पैदल नहीं चल सकते, फिर भले उन श्रद्धालुओं को असुविधा हो, भगदड़ हो और वो मर जाएं। एक व्यक्ति के नैरेटिव और ईगो के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ की जान के साथ नहीं खेला जा सकता। अविमुक्तेश्वरानंद जी एक ऐसा नेरेटिव खड़ा करने का प्रयत्न कर रहे हैं जो ब्राह्मण समाज को 2027 में भाजपा के खिलाफ खड़ा कर दे और योगी आदित्यनाथ की सत्ता से विदाई हो जाए। लेकिन उनकी अपनी प्रतिष्ठा ही धूमिल हो रही है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

टाइप 2 डायबिटीज को रिवर्स करने के लिए कुछ ड्रिंक्स से परहेज जरूरी

डायबिटीज विश्व स्तर पर बढ़ती एक गंभीर समस्या है, जिससे आज के समय में बड़ी आबादी पीड़ित है। इतनी कॉमन बीमारी होने के बाद भी लोगों में इसका निदान देर से हो पाता है क्योंकि लोग समय से अपना चेकअप नहीं करवाते। एक समस्या यह भी है कि डायबिटीज में शुरुआती चरण में कोई लक्षण समझ नहीं आ पाते हैं। ऐसे में लोग शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस या ब्लड शुगर लेवल बढ़ने के बाद भी मीठे का सेवन जारी रखते हैं जिससे शरीर में कई तरह की जटिलताएं पैदा हो सकती हैं। डायबिटीज एक लाइलाज बीमारी है यानी इसका कोई परमानेंट इलाज नहीं है। हालांकि इसे मैनेज जरूर किया जा सकता है जिससे नुकसानों का खतरा भी टलता है।

डायबिटीज़ एक ऐसी कंडीशन है जिसमें आपके शरीर में या तो सही मात्रा में इंसुलिन बन नहीं पाता या फिर उसका उपयोग सही से नहीं हो रहा होता है, ऐसे में ब्लड ग्लूकोज लेवल हाई हो जाता है। शरीर में लगातार ब्लड शुगर बढ़े रहने से कई अंगों पर भी प्रभाव पड़ सकता है जैसे कि हार्ट, आंखें, किडनी और दिमाग आदि।

न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह : जानी मानी न्यूट्रिशनिस्ट चार्माइन हा डोमिंगुएज, जो लोगों को टाइप 2 डायबिटीज को रिवर्स करने में मदद करती हैं, उन्होंने अपने एक वीडियो में ऐसे चार ड्रिंक्स के बारे में जानकारी दी है, जिन्हें टाइप 2 डायबिटीज पेशेंट्स को पीने से परहेज करना चाहिए। क्योंकि ये पेय पदार्थ आपके ब्लड शुगर लेवल पर प्रभाव डालते हैं, जिससे डायबिटीज को मैनेज करना कठिन हो सकता है।

एनर्जी ड्रिंक्सः आज के समय में एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन काफी ज्यादा बढ़ता जा रहा है। कई लोग तो खुद को एनर्जेटिक रखने के लिए हर दिन एनर्जी ड्रिंक्स लेते हैं। लेकिन अगर आप डायबिटीक हैं तो आपको इन ड्रिंक्स को हाथ लगाने से पहले दो बार जरूर सोच लेना चाहिए। इन्हें अपनी रूटीन से हटा देना चाहिए। क्योंकि इनमें बहुत ज्यादा शुगर हो सकती है जो ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती है।

एल्कोहलः अक्सर तमाम लोग डायबिटीज को हल्के में लेते हैं और टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद भी अपनी लाइफस्टाइल को पहले की तरह की जारी रखते हैं। लेकिन ऐसा करके आप डायबिटीज की स्थिति को बदतर बनाने का काम करते हैं। न्यूट्रिशनिस्ट ने बताया कि डायबिटीज की स्थिति में आपको एल्कोहल पीने से भी परहेज करना चाहिए।

कोकोनट मिल्कः नारियल से बना दूध अक्सर हेल्दी माना जाता है ऐसे में लोग अपनी डायबिटीज रिपोर्ट के बाद भी इसका सेवन जारी रखते हैं लेकिन आप ये भूल न करें। चार्माइन अपने वीडियो में बताती हैं कि टाइप 3 डायबिटीज से जूझ रहे मरीजों को कोकोनट मिल्क से परहेज करना चाहिए।

निशाना

सिर्फ कागज़ों पर..!

अनिल कुमार साकेत

उन्नीस सौ पैंतालीस से, जो नाटक चला आ रहा,
मंच वही है पुराना, बस पर्दा बदलता जा रहा।
राजा साहब जी आते हैं, चेहरा थोड़ा गिराकर,
माइक को सीधा करते हैं, थोड़ा सा सकपकाकर।
कहते हैं, 'यह वक्त है, संयम और विवेक का, '
यह वक्त है, तमाशा और देख का।
शांति रक्षक सेना का, बजट हो गया है कम,
पर 'फ्यूचर पैक्ट' साइन हुआ, इसमें है बड़ा दम।
2050 का सपना है, 2026 है राख,
सभ्यता के चेहरे पर, ये कैसी लगी है साख?
निंदा 'कड़ी' करेंगे हम, चाहे जो हो जाए,
प्रस्तावों की रद्दी से, हम मीनार बनाए।
हे संयुक्त राष्ट्र! तुम हो, एक उम्मीद का दिया,
पर तेल तुम्हारे दीये का, वीटो ने पी लिया।
तुम्हारे हॉल में गूंजती, बस खोखली तकरीरें,
कागज़ पर तो बदलती हैं, देशों की तकदीरें।
पर सरहद पर जो खड़ा है, वो सैनिक क्या जाने,
कि उसकी मौत के फैसले, हुए हैं अनजाने।
'मानवाधिकार' की पुस्तक, अब धूल खा रही है,
शक्तिशाली की लाठी ही, अब भैंस चरा रही है।
तुम शांति प्रिय हो इतने, कि युद्ध छिड़ने नहीं देते,
कागजों पर असल में, कफ़न गिनने नहीं देते।
यह खेल कूटनीति का, अब समझ में आया है,
शांति केवल एक शब्द है, बाकी सब मोह-माया है।

इनोवेशन

इंसान के बाद अब रोबोट भरेगा अंतरिक्ष की उड़ान, चीनी कंपनी कर रही है तैयारी

चीन ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई छलांग लगाने की तैयारी कर ली है। इंसानों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजने के बाद अब चीन की एक कंपनी ने इंसानी रोबोट यानी ह्यूमनॉइड रोबोट को स्पेस में भेजने की योजना बनाई है। कंपनी का मकसद दुनिया का पहला रोबोट एस्ट्रोनॉट बनाना है। वह PM01 नाम के रोबोट को स्पेस में भेजना चाहती है। PM01 कई तरह के काम कर सकता है। उसमें ढेरों सेंसर लगे हैं। यह खुद से फैसले लेने में भी सक्षम है।

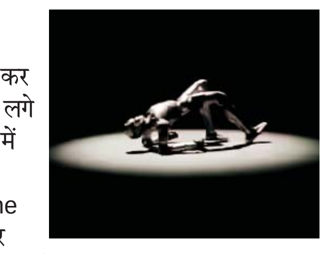

कंपनी का नाम Engine AI है जो बीजिंग इंटरस्टेलर ह्यूमन स्पेसफ्लाइट टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर काम कर रही है। आसान भाषा में समझाएं तो अंतरिक्ष में रोबोट को भेजने के लिए दो कंपनियां साथ आई हैं। एक रोबोट बनाती है और दूसरी कमर्शल स्पेस कंपनी है। ये मिलकर 'ह्यूमनॉइड रोबोट एस्ट्रोनॉट एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम' शुरू कर रही हैं। Engine AI के जिस PM01 ह्यूमनॉइड रोबोट को चुना गया है, उसका यह वर्जन पिछले साल जून में लॉन्च किया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह वर्जन काफी लाइटवेट, फुर्तीला और ओपन था। तब इसकी कीमत 27 हजार डॉलर थी। इसमें लगा 'जॉय इनसाइड एआई' सिस्टम, रोबोट को आसानी से कम्युनिकेट करने में सक्षम बनाता है। यह इंसानों के साथ मिलकर काम कर सकता है। अपने रोल को बदल सकता है। अपनी खुद की पर्सनैलिटी बना सकता है। आवाज में भी बदलाव कर सकता है।

रोबोट से काम करवाना कितना मुश्किल?: EngineAI ने पिछले साल दावा किया था कि उनका PM01 रोबोट ऐसा पहला ह्यूमनॉइड रोबोट है जो सफलतापूर्वक आगे की ओर फ्लिप कर सकता था। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी का कहना है कि अंतरिक्ष में रोबोट से काम करवाना कोई आसान काम नहीं है। रोबोट को स्थिरता बनाए रखनी होगी। खुद फैसले लेने होंगे। धरती पर ये काम किए जा सकते हैं, लेकिन ऐसी जगह जहां गुरुत्वाकर्षण नहीं है। तापमान में बदलाव होता है और रेडिएशन भी अधिक है, वहां रोबोट के सामने तमाम चैलेंज आएंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे पहले रोबोट को अंतरिक्ष के अनुकूल ढलने के लिए तैयार किया जाएगा। उसकी क्षमता और मजबूती को बढ़ाने की तैयारी है। कंपनी चाहती है कि ह्यूमनॉइड रोबोट, अंतरिक्ष में अपने काम अकेले करे, उसे किसी मदद की जरूरत ना पड़े। अगर सबकुछ ठीक रहा तो भविष्य में रोबोट को अंतरिक्ष में स्पेस स्टेशन की बाहरी मरम्मत, खतरनाक रास्तों की तलाश, लंबे समय तक निगरानी करने जैसे कामों में लगाया जा सकता है। रोबोट कामयाब रहे, तो इंसानों पर ऐसे मिशनों के दौरान बने रहने वाला खतरा कम हो जाएगा।

अजब - गजब

दादा-परदादा से सुनी थी खजाने की कहानी, पिता की ड्रॉइंग के सहारे खुदाई से पलटी किस्मत!

पोलैंड के एक शख्स ने बचपन से अपने दादा-परदादा से खजाने की कहानियां सुनी थी। उसके पिता भी दावा करते थे कि उन्होंने अपने पुराने घर में खजाना छिपाया है। आखिरकार पिता के बनाए मैप को देखते हुए जब खुदाई की तो वाकई वहां से वो निकला, जिसने शख्स की किस्मत ही बदल दी।

बचपन से सुनी खजाने की कहानियां अक्सर सपनों में ही रह जाती हैं, लेकिन पोलैंड के एक शख्स के साथ ऐसा नहीं हुआ। 69 साल के जान ग्लाजेव्स्की ने अपने दादा-परदादा की कहानी को सच कर दिखाया। सेकंड वर्ल्ड वॉर के दौरान सोवियत आक्रमण से बचने के लिए उनके परिवार ने कीमती सामान दफन कर दिया था। परिवार ल्विव (अब यूक्रेन में) के पास एक हवेली से भागा, लेकिन सोवियत फोर्सेस ने घर तबाह कर दिया। जब युद्ध खत्म हुआ तो परिवार ने घर से हाथ धो दिया। लेकिन खजाना वहीं रह गया। इसकी कहानी जान ने सुनी थी लेकिन यकीन नहीं था। लेकिन जब उसने किस्मत आजमाने की सोची तो सचमुच वो हुआ, जिसकी उसने कल्पना भी नहीं की थी.

सालों तक छिपा था खजानाः युद्ध के बाद परिवार का मुखिया एडम ग्लाजेव्स्की बच गया, लेकिन खजाना वापस नहीं ले सका। खजाने की कहानी दशकों तक परिवार में जिंदा रही। जान के पिता गुस्ताव ने 50 साल बाद याद से एक हाथ से बनाई ड्राइंग तैयार की, जिसमें खजाने की जगह बताई गई थी। यह मैप परिवार की एक पीढ़ी से दूसरी तक पहुंचा। 2025 में जान ने इस मैप को हाथ में लिया और वर्तमान यूक्रेन-पोलैंड बॉर्डर के पास उस जगह पहुंचे, जहां दफन होने की बात थी। खुदाई शुरू की तो पहले कुछ भी नहीं मिला। लेकिन जमीन खोदते-खोदते मिट्टी हटी और सामने आए सोने के सिक्के, पुराने ज्वेलरी, परिवार के पुराने फोटो, दस्तावेज और अन्य कीमती सामान। लाखों डॉलर मूल्य का यह खजाना पीढ़ियों पहले परिवार की संपत्ति का हिस्सा था। जान ने बताया कि यह सिर्फ पैसे नहीं, बल्कि परिवार की खोई हुई विरासत थी।

जमीन ने उगला इतिहासः यह खोज वायरल हो गई क्योंकि यह दिखाती है कि इतिहास कभी-कभी जमीन के नीचे छिपा रहता है। जान ने कहा, 'यह सिर्फ खजाना नहीं, मेरे पूर्वजों की मेहनत और युद्ध की मार्मिक यादें थीं.' खजाने में मुख्य रूप से 19वीं-20वीं सदी के सोने के सिक्के, चांदी के बर्तन और ज्वेलरी थे। युद्ध के दौरान पूर्वी पोलैंड में हजारों परिवारों ने ऐसी ही चीजें दफन की। सोवियत और जर्मन फोर्सेस के हमलों से बचने के लिए लोग अपनी संपत्ति छिपाते थे। कई परिवार वापस नहीं लौट सके और खजाना खो गया। जान की तरह कुछ लोग मैप या यादों के आधार पर खोज करते हैं, यह केस उनमें से एक सफल उदाहरण है।

मंडीदीप नगर पालिका में भ्रष्टाचार का नया मामला: कांग्रेस ने नपाध्यक्ष पर किया तीखा हमला, कहा- पद से दे देना चाहिए इस्तीफा

अध्यक्ष ने कलेक्टर से की शिकायत, परियोजना अधिकारी ने मंगवाई सभी फाइलें

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

अपने अजब और गजब कारनामों के लिए ख्यात हो चुकी मंडीदीप नगर पालिका में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब नपा में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर ताजा विवाद गरमाया हुआ है। इस बार खुद नगर पालिका अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल ने अपने कार्यालय में चल रहे भ्रष्टाचार की शिकायत जिला कलेक्टर से की है। कलेक्टर ने मामले पर संज्ञान लेते हुए जिला परियोजना अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं और कॉलोनी सेल से जुड़ी सभी संबंधित फाइलें जिला मुख्यालय पर तलब की गई हैं।

कांग्रेस ने इस शिकायत को आधार बनाते हुए नपा अध्यक्ष पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का कहना है कि यदि कोई अध्यक्ष अपने ही कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में असफल साबित हो रहा है, तो नैतिकता के आधार पर उसे पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। कांग्रेस ने इसे अध्यक्ष की विफलता और

जवाबदेही का मामला बताया है। जब इस संबंध में नपा अध्यक्ष प्रियंका अग्रवाल तथा अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेंद्र अग्रवाल से मोबाइल, घर ओर कार्यालय के माध्यम से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने किसी भी प्रकार की प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया।बता दें कि मंडीदीप नगर पालिका में पिछले कई दिनों से भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर विभिन्न लोगों द्वारा जिला मुख्यालय पर अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई गई थीं, जिसके चलते दूसरी बार जिला मुख्यालय से जांच शुरू की गई है।

> नपा अध्यक्ष द्वारा भ्रष्टाचार की शिकायत का मतलब साफ है कि वह इस पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहीं है, इस आधार उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।
> **-ममणी द्विवेदी,**
> वरिष्ठ कांग्रेस नेता

> नपा अध्यक्ष के पत्र पर जिला परियोजना अधिकारियों द्वारा कॉलोनी सेल से जुड़ी समस्त फ़ाइल मुख्यालय बुलबाई हैं, जिन्हे हमारे द्वारा भेज दिया गया है।
> **-प्रशांत जैन,**
> नपा सीएमओ मंडीदीप

प्रशासनिक अपरिपक्वता का मामला

नपा अध्यक्ष द्वारा कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार की खुद शिकायत करना और जांच की मांग करना, स्थानीय लोगों के गले नहीं उतर रहा है। कुछ लोग इसे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच आपसी गतिरोध के रूप में देख रहे हैं, जबकि कुछ इसे अध्यक्ष के पति राजेंद्र अग्रवाल की प्रशासनिक अपरिपक्वता के रूप में देख रहे हैं। आपको बता दें कि यह प्रकरण बीते 24 घंटों से नगर के लोगों के बीच चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

टीम गठित, करेगी भ्रष्टाचार की जांच

स्थानीय लोगों द्वारा बीते दोनों रायसेन कलेक्टर को 6 बिंदुओं पर की गई शिकायत के बाद कलेक्टर कार्यालय रायसेन द्वारा अनुविभागीय अधिकारी गौहारगंज के नेतृत्व में तीन सदस्यों का जांच दल गठित किया है, इस दल में ओबेदुल्लागंज सीएमओ तथा गैरातगंज में पदस्थ उपयंत्री को शामिल किया गया। यह जांच दल निर्माण कार्यों, अमृत -2 योजना, कायाकल्प योजना, तहबाजारी, प्रधानमंत्री आवास सहित अन्य विभागों में भ्रष्टाचार की बिंदुवार जांच कर कलेक्टर को सोपेंगी।

न्यूज विंडो

राजीव मेमोरियल के वार्षिक उत्सव समारोह में किया पुरस्कार वितरण

गंजबासौदा। स्थानीय राजीव मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र प्रसाद चौरसिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ एके जैन, प्रांतीय अध्यक्ष मानव अधिकार स्वास्थ्य एवं सुरक्षा संगठन ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में वरिष्ठ इंकॉ नेता एवं पत्रकार सौदान सिंह यादव, समाजसेवी हरीबाबू अग्रवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता दिव्या चौरसिया तथा संस्था सचिव मंजू निर्मल जैन उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों का शाल श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि चौरसिया ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से आह्वान किया कि बाल्यकाल को पूर्ण रूप से शिक्षा के लिए समर्पित करें तथा अपनी समस्त इंद्रियों का उपयोग अध्ययन में लगाएँ। उन्होंने विद्यार्थियों को देश का भावी कर्णधार बताते हुए अनुशासन एवं परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ एके जैन ने संस्था शिक्षक एवं पालकों के समन्वय को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार बताया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर आधारित मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से की भेंट

नर्मदापुरम। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने बुधवार को भोपाल के लीला पैलेस निवास पर प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से सौजन्य भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं ने संगठनात्मक मुद्दों और समसामयिक राजनीतिक विषयों पर गहन चर्चा की।विधायक सिंह ने कहा कि खंडेलवाल का मार्गदर्शन हमेशा ऊर्जा और दिशा प्रदान करता है। उनके अनुभव संगठन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह राजपूत और मनोहर सिंह राजपूत भी मौजूद रहे।

नर्मदापुरम में ताइक्वांडो-शतरंज प्रतियोगिता का शानदार आयोजन

नर्मदापुरम। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित खेलो एमपी यूथ गेम्स 2026 के अंतर्गत जिला नर्मदापुरम में डॉल्फिन अकादमी के माध्यम से राज्य स्तरीय ताइक्वांडो एवं शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदेशभर से करीब 850 बालक-बालिकाओं ने उत्साह के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता पंडित रामलाल शर्मा शासकीय महाविद्यालय में हुई।इस मौके पर पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा (भापुसे) विशेष रूप से पहुंचे। उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया और बेहतरीन प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं। एसपी ने एक नन्ही बालिका के साथ शतरंज खेलकर सभी का मनोबल और ऊंचा किया, जिससे आयोजन स्थल पर प्रेरणादायी माहौल बन गया।कार्यक्रम में जिला खेल अधिकारी उमा पटेल, पं. अरुण शर्मा, ब्लॉक समन्वयक महेंद्र पचलानिया, जय सिंह भदौरिया, ऑस्कर, रोशनी सोनकर, आरती शर्मा, संस्था के प्राचार्य प्रिंस जैन, चेतन आंकरे, दारा सिंह तथा मध्य प्रदेश शतरंज एवं ताइक्वांडो संघ के सदस्य मौजूद रहे।

महाशिवरात्रि मेला: नागपुर से पचमढ़ी के लिए यात्री किराया 338 रुपए तय

नर्मदापुरम। महाशिवरात्रि मेले को लेकर परिवहन विभाग ने प्रमुख शहरों से पचमढ़ी तक बस यात्रियों के लिए निश्चित किराया घोषित कर दिया है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रिंकू शर्मा ने बताया कि यात्रियों को अब अधिक किराया नहीं वसूला जा सकेगा।क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी शर्मा ने बताया नागपुर से पचमढ़ी 270 किमी के लिए 338 रुपए किराया निर्धारित किया है। छिंदवाड़ा से पचमढ़ी 188 किमी के लिए 236 रुपए, गाडरवाड़ा से पचमढ़ी 108 किमी के लिए 136 रुपए, भोपाल से पचमढ़ी 199 किमी के लिए 250 रुपए, सिवनीमालवा से पचमढ़ी 169 किमी के लिए 212 रुपए, इटारसी से पचमढ़ी 142 किमी के लिए 178 रुपए, होशंगाबाद से पचमढ़ी 124 किमी के लिए 156 रुपए, सेमरी से पचमढ़ी 84 किमी के लिए 106 रुपए, बनखेड़ी से पचमढ़ी 77 किमी के लिए 97 रुपए, सोहागपुर से पचमढ़ी 74 किमी के लिए रुपए 93, पिपरिया से पचमढ़ी 54 किमी के लिए 68 रुपए किराया निर्धारित किया गया है।

नागपुर से शुरू हुई संकल्प यात्रा पहुंची नर्मदापुरम

नर्मदापुरम जिले में विधायकों का नहीं खनन माफियाओं का राज है: यादव

नर्मदापुरम /इटारसी। दोपहर मेट्रो

आजाद समाज पार्टी के बैनर तले दीक्षा भूमि नागपुर से शुरू हुई तीन दिवसीय संकल्प यात्रा नर्मदापुरम जिले के इटारसी पहुंची। ग्वालियर हाईकोर्ट खंडपीठ परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने की मांग को लेकर निकाली गई इस यात्रा का जयस्तंभ चौक पर ठहराव हुआ, जहां भीमआर्मी के कार्यकर्ताओं ने यात्रा का स्वागत किया। जयस्तम्भ चौक पर एक आम सभा का आयोजन किया गया। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य व दलित पिछड़ा समाज संगठन के अध्यक्ष दमोदर यादव मंडल ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले आठ माह से ग्वालियर खंडपीठ में बाबासाहेब की प्रतिमा स्थापित करने के प्रयास जारी हैं, लेकिन न केवल प्रतिमा लग रही है, बल्कि कुछ लोग सत्ता के संरक्षण में उनके पोस्टर तक जला रहे हैं। उन्होंने नागपुर में लिया गया संकल्प दोहराते हुए कहा या तो सरकार खंडपीठ में प्रतिमा लगा दे, वरना लाखों की संख्या में जाकर हम खुद लगा देंगे। मप्र को आडंबर व पाखंड की भूमि नहीं बनने देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पर भी साधा निशाना

सभा को सम्बोधित करते हुए दमोदर यादव ने नर्मदापुरम के स्थानीय मुद्दों पर कहा कि नर्मदापुरम में रेत खनन भारी होता है। जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों के विधायक एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाने, मुख्यमंत्री को छह बार पत्र लिख चुके हैं, फिर भी एक वरिष्ठ अधिकारी हटाया नहीं गया। यहां विधायकों का राज नहीं, खनन माफियाओं का राज चलता है, यादव ने कलेक्टर और एसपी पोस्टिंग पर सवाल उठाये, उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि यहां आये हुये कलेक्टर एसपी कैसे पोस्टिंग लेकर आते है। सभा को आजाद समाज पार्टी के दत्तू मेढ़े, पूर्व विधायक आरटी प्रजापति, राजेश बकोरिया सुनील असते अमोल रावत सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के प्रभारी गोपाल मसूरे, रमेश माधुरे,अर्जुन पवार,विकास अहिरवार,करण धनवारे उपस्थित रहे। सभा के अंत मे मंचसीन पार्टी के पदाधिकारीयो, सदस्यों और सभा मे मौजूद लोगो ने संविधान कि शपथ ली।

कैफे में लगी भीषण आग, काफी मशक्कत के बाद पाया काबू

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की धरमपुरी तहसील के ग्राम धामनोद स्थित कैफे में अल सुबह भीषण आग लग गई, दुकान में आग लगने के बाद लपटे बाहर तक नजर आने लगी थी। इधर रात्रि में ही गश्तह कर रही पुलिस टीम ने सबसे पहले आग को देखा था, तुरंत स्थानीय नगर पंचायत सहित कैफे मालिक को सूचना दी। थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे स्वयं घटना स्थल पहुंचे व फायर वाहन का पाइप पकडकर कैफे में आग बुझाने के लिए अंदर चले गए। डेढ घंटे की लंबी मशक्कपत के बाद आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार धामनोद नगर के वार्ड क्रमांक-08 में स्थित कैफे 4 यू हाउस में भीषण आग लग गई। घटना मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात करीब 4 बजे हुई। आग लगने से कैफे का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। व्यापारी सुमित कुशवाहा के कैफे 4 यू में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे कैफे को अपनी चपेट में ले लिया। रात्रि गश्ती दल की ओर से घटना की सूचना थाना प्रभारी प्रवीण ठाकरे को दी गई। सूचना मिलते ही धामनोद थाना प्रभारी दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

गणतंत्र महोत्सव में 400 से अधिक प्रतिभागी सम्मानित

मंडीदीप खेल महाकुंभ में गोल्डन केरी स्कूल ने लगातार 5वीं बार चैंपियन ट्रॉफी पर किया कब्जा

मंडीदीप । दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पहली नगर पालिका मंडीदीप है जिसमें गणतंत्र महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया जाता है जिसमें 22 दिवसीय खेल एवं 4 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रशांत जैन ने बताया कि लगभग 400 से अधिक प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। प्रतियोगिता में गोल्डन केरी स्कूल का शानदार दबदबा रहा जिसमें लगातार पांच भी बार सर्वाधिक 68 अंक प्राप्त कर चैंपियन ट्रॉफी जीती गोल्डन केरी स्कूल के बच्चों का शानदार दबदबा रहा पूरी प्रतियोगिता में सर्वाधिक पुरस्कार जीत कर गौरांवित किया। वहीं जूनियर वर्ग में धर्मा पब्लिक स्कूल ने 28 अंक प्राप्त कर चैंपियन ट्रॉफी अपने नाम की वहीं सांस्कृतिक महोत्सव में एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां देखने को मिली। इनमें शिव तांडव,स्वच्छता अभियान, मां काली की आकर्षक प्रस्तुति एवं नन्हे मुन्ने बच्चों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने लोगों को

मोहित किया। इस मौके पर जगदीश सोनी, जीवन सिंह पाल ,देवेंद्र अजमेरा, दौलत राम इक्का, शुभम राजपूत सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे। खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव 400 से अधिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इनमें टेनिस बॉल क्रिकेट में प्रथम स्थान न्यू सानबी स्कूल ने प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर शासकीय बालक माध्यमिक शाला रहा। तीसरे स्थान पर इंडियन पब्लिक स्कूल रहा। मैन ऑफ द मैच सीरीज का खिताब शासकीय माध्यमिक शाला के अनस खान को प्राप्त हुआ वही हाई स्कूल एवं हाई सेकेंडरी स्तर पर जूनियर वर्ग में लेदर बाल क्रिकेट प्रतियोगिता में इंग्लिश फाउंडेशन स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर ग्रेफाइट स्कूल रहा। वहीं तीसरे स्थान पर गोल्डन करी स्कूल ने बाजी मारी मैन ऑफ द सीरीज का खिताब इंग्लिश फाउंडेशन स्कूल के सचिन के नाम रहा। वहीं सीनियर वर्ग में इंग्लिश फाउंडेशन स्कूल में एक बार फिर विजेता का खिताब जीता दूसरे स्थान पर शासकीय बालक स्कूल रहा और तीसरे स्थान पर गिरधर हाई सेकेंडरी स्कूल रहा मैन ऑफ द सीरीज इंग्लिश फाउंडेशन स्कूल के अंजुम राय के नाम रहा वही कुर्सी दौड़, कबड्डी, वॉलीबॉल, कराते सहित सैकड़ों पर प्रतिभाएं सम्मानित हुईं।

दो ट्रकों से 2700 से अधिक अवैध शराब की पेटियां जब्त, दो गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

टांडा पुलिस ने दो ट्रकों से करोड़ों की अवैध शराब को जप्त किया है, दोनों ट्रकों में अवैध बीयर भरी हुई थी। राजगढ़-कुक्षी मार्ग पर पुलिस ने चैकिंग के दौरान दोनों वाहनों को रोका था। पुलिस दोनों वाहनों को टांडा थाने पर लेकर आई है। ट्रकों में लगभग 27 सौ से अधिक शराब की पेटियां भरी हुई थी।

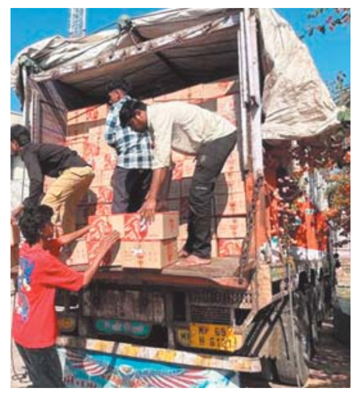

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो ट्रकों एमपी 69 एच 6121 और एमपी 09 एच 6890 कुक्षी की और जा रहे है, जिनमें भारी मात्रा में अवैध शराब भरी हुई है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने राजगढ़-कुक्षी मार्ग पर चैकिंग पाइंट लगाया। चैकिंग के दौरान ट्रॉला एमपी 69 एच 6121 और एमपी 09 एच 6890 की चैकिंग की गई जिसमें बड़ी मात्रा में अवैध शराब की पेटियां भरी हुई थी। चालक से पुछताछ करने पर वह पुलिस को कोई वैध दस्तावेज उपलब्ध नही करा पाया। पुलिस मामले में पेटियों को वाहनों से खाली करवाकर मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उक्त शराब राजगढ़-कुक्षी मार्ग होते हुए ड्राय स्टेट गुजरात लेकर जाई जा रही थी, जब्त शराब विभिन्न कंपनियों की है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से अवैध शराब के परिवहन और किस जगह डिलीवरी देने और कहा से यह शराब निकली है, इसको लेकर जांच कर रही है।

मेट्रो एंकर

नगर में काली पट्टी बांधकर निकाली रैली, प्रशासन को दिया ज्ञापन

यूजीसी बिल के विरोध में सड़क पर उतरकर किया प्रदर्शन

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी के द्वारा लागू किए गए उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम का विरोध देशभर में सामान्य वर्ग के द्वारा किया जा रहा। प्रदेश सहित देश के कई राज्यों तक इस मुद्दे की गूंज सुनाई दे रही है। तो वही देशभर के सवर्ण समाज ने इस नियमावली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जहां सरकार इसे समानता बढ़ाने और जातिगत भेदभाव समाप्त करने की पहल बता रही है। वहीं, विरोध करने वालों का कहना है कि यह नियम बड़े पैमाने पर असमानता को बढ़ावा देने वाला है।

इस मसले को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक और सामाजिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। यूजीसी बिल के विरोध के क्रम में सकल सामान्य समाज के अह्वान पर नगर के सवर्ण समाज की एक बैठक स्थानीय रघुवंशी धर्मशाला में बुधवार को आयोजित की गई। जिसमें सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने एकमत से यूजीसी बिल वापिस न होने तक आंदोलन का संकल्प लिया एवं स्पष्ट किया कि दलित और पिछड़े वर्ग के छात्रों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होना चाहिए, लेकिन नियम बनाते समय सामाजिक संतुलन का ध्यान रखना जरूरी है। नया नियम सामान्य वर्ग के उत्पीड़न का माध्यम बन सकता है। यूजीसी का उद्देश्य भेदभाव रोकना होना चाहिए, न कि किसी वर्ग को असुरक्षित बनाना। भारतीय न्याय संहिता में पहले से ही भेदभाव से जुड़े मामलों के लिए प्रविधान मौजूद हैं, इसलिए अलग से समता समिति बनाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इसे तुरंत निरस्त करने पर जोर दिया।

बैठक उपरांत सभी की हाथ पर यूजीसी बिल पर विरोध जताते हुए काली पट्टी बांधी गई और धर्मशाला से सैकड़ों से अधिक संख्या में पैदल मार्च व विरोध में नारेबाजी करते हुए जय स्तंभ चौक प्रदर्शन किया। इसके पश्चात अनुविभागीय कार्यालय पहुंचकर सवर्ण समाज एकता मंच के तत्वाधान में राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। जिसमें बताया गया कि वर्तमान में जो यूजीसी बिल 2026 लाया जा रहा है। उसमें सामान्य वर्ग के छात्रों को किसी भी प्रकार का संरक्षण नही दिया गया है। जिससे भविष्य में इस कानून के दुरूपयोग होने की संभवना है। इस बिल से सामान्य वर्ग के छात्रों में भविष्य को लेकर चिन्ता है। यदि यह बिल आया तो यह समाज में जातिगत भेदभाव फैलाएगा। जिससे सामाज में वैमनस्यता आएगी और विश्वविधालय परिसर राजनिति का अड्डा बन जाएगा। हम समानता में विश्वास रखते है और सभी जाति, धर्म के छात्रों का सम्मान करते है एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है। मांग है कि यूजीसी बिल 2026 को अविलंब वापिस लिया जाए। इसके साथ ही आगामी 1 फरवरी को यूजीसी बिल के विरोध में नगर बंद का आह्वान सवर्ण समाज एकता मंच के द्वारा किया गया है। सभी से अपील की है कि नगर बंद को सफल बनाने में सहयोग करें। ज्ञापन देते वक्त बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के प्रतिनिधि, युवा वर्ग एवं छात्र मौजूद रहे।

न्यूज विंडो

रोगी कल्याण समिति के सदस्य बने संजय मिहानी, अस्पताल विकास में दिया सहयोग

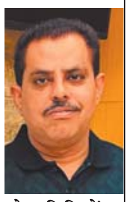

इटारसी। शहर के समाजसेवी संजय मिहानी को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय की रोगी कल्याण समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। उन्हें समिति की साधारण सभा एवं कार्यकारिणी सभा दोनों में स्थान दिया गया है। अस्पताल अधीक्षक द्वारा जारी पत्र के अनुसार, श्री मिहानी ने चिकित्सालय के विकास और रोगी कल्याण कार्यों के लिए एक लाख एक हजार रुपये की राशि दान स्वरूप भेंट की है। उनकी सेवा भावना और आर्थिक सहयोग को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें आधिकारिक रूप से समिति में शामिल किया है। अधीक्षक सह सचिव रोगी कल्याण समिति ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए यह नियुक्ति पत्र जारी किया। श्री मिहानी की इस नियुक्ति पर शहर के गणमान्य लोगों ने उनको शुभकामनाएं दी हैं।

टाइगर रिजर्व में वन अमले की दबिश सागौन की तस्करी करते चार धराए

तेन्दूखेड़ा। टाइगर रिजर्व के अंतर्गत गेम परीक्षेत्र सर्रा में कुसमी बीट आरएफ 343 क्षेत्र में वन माफियाओं द्वारा अवैध कटाई किए जाने की सूचना सर्रा गेम परीक्षेत्र अधिकारी एल.एन. वर्मा को एक विश्वसनीय मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए गेम परीक्षेत्र अधिकारी द्वारा तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई गई। सूचना मिलते ही वर्मा अपने अधीनस्थ वन अमले के साथ मौके पर पहुंचे तथा पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान कुसमी बीट आरएफ 343 क्षेत्र में चार आरोपियों को वेशकीमती सागौन के तीन भारी-भरकम पेड़ों को काटकर बैलगाड़ी में लादकर ले जाते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों द्वारा बहुमूल्य सागौन के वृक्षों की अवैध कटाई कर उन्हें बैलगाड़ी के माध्यम से परिवहन किया जा रहा था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि बैलगाड़ी में कार के टायर लगाए गए थे। मौके से अवैध रूप से काटी गई सागौन की लकड़ी एवं प्रयुक्त बैलगाड़ी को विधिवत जब्त कर लिया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम दिलीप गोड, उम्र 40 वर्ष मनोज पिता भूरे गौड, उम्र 40 वर्ष अनिल पिता लक्ष्मण गौड उम्र 27 वर्ष राजेंद्र प्रताप पिता पूरन गौड, उम्र 21 वर्ष बताया है सभी आरोपी ग्राम झमरा थाना महाराजपुर तहसील देवरी, जिला सागर के निवासी हैं।

तेंदुआ शिकारियों के फंदे में फंसा रेस्क्यू दल ने सुरक्षित जंगल में छोड़ा

मंडला। कान्हा टाइगर रिजर्व के सिझौरा बफर जोन में एक तेंदुआ शिकारियों द्वारा लगाए गए लोहे के फंदे में फंस गया। गश्ती दल की सतर्कता से समय रहते तेंदुए को रेस्क्यू कर उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है। यह मामला बीट चटुआखार के कक्ष क्रमांक 1438 का है। ऑपरेशन वाइल्ड ट्रेप-2 के तहत गश्त कर रही टीम को वन-राजस्व सीमा पर किसी वन्यजीव के कराहने की आवाज सुनाई दी। जब टीम मौके पर पहुंची, तो एक खेत की मेड़ के पास तेंदुआ फंदे में छटपटा रहा था। तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों और वन्यजीव डॉक्टर को इसकी सूचना दी गई।

श्याम सुंदर जैन पंचतत्वों में विलीन, नगर में शोक की लहर

तेंदूखेड़ा। नगर के वरिष्ठ नागरिक श्याम सुंदर जैन का मंगलवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की सूचना से नगर एवं आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त हो गई। उनके पुत्र के नगर से बाहर होने के कारण उनकी अंत्येष्टि बुधवार प्रातः 10ः00 बजे भटरिया स्थित शांति धाम में संपन्न की गई। अंत्येष्टि के पूर्व नगर में उनकी शव यात्रा निकाली गई, जिसमें नगर एवं क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक बंधु एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में शामिल हुए। हजारों नम आंखों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। शांति धाम में अंत्येष्टि से पूर्व दो मिनट का मौन रखकर शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें उपस्थितजनों ने स्व. श्याम सुंदर जैन के सरल, सौम्य एवं समाजसेवी व्यक्तित्व को स्मरण करते हुए उनकी भूरी-भूरी प्रशंसा की और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

युवतियों की अश्लील फोटो बनाकर किए वायरल, शिकायत पर केस दर्ज

छिंदवाड़ा। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दुरुपयोग का गंभीर मामला सामने आया है। नागपुर रोड स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली दो युवतियों की तस्वीरों को एडिट कर उनकी अश्लील फोटो बनाई गई और इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दी गई। इतना ही नहीं, आरोपियों ने तकनीक का इस्तेमाल कर एक आपत्तिजनक वीडियो भी तैयार किया। इस पूरे मामले की जानकारी पीड़ित युवती को उसके एक परिचित के माध्यम से मिली। इसके बाद मंगलवार शाम वह कोतवाली थाना पहुंची और लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सागोनी कला के जंगल की घटना, पुलिस पड़ताल में जुटी

प्राइवेट बैंक कर्मचारी का शव जंगल में मिला, पत्थरों से कुचलकर की हत्या

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

गत दिवस तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी के अंतर्गत आने वाले ग्राम सागोनी कला के जंगल में एक युवक की निर्मम हत्या का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की गई। मृतक की पहचान विनोद अहिरवार पिता गोपी उर्फ दयाराम अहिरवाल, उम्र लगभग 30 वर्ष निवासी कुड़ई थाना पटेरा के रूप हुई है। युवक का शव सागोनी के जंगल में संदिग्ध अवस्था में पाया गया। मृतक के चेहरे और सिर पर पत्थरों से कुचलने के गंभीर निशान पाए गए हैं।

घटना की सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद कुमार ठाकुर इमलिया चौकी प्रभारी अक्षेद्रनाथ पुलिस स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की गई साथ ही दमोह से एसएफएल की टीम भी मौके पर पहुंची। जानकारी के अनुसार बुधवार को जंगल में लकड़ी काटने गए लकड़हारों ने शव को देखा, जिसके बाद उन्होंने तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि युवक की हत्या सिर पर पत्थर पटककर की गई है। पुलिस ने घटनास्थल को सुरक्षित कर पंचनामा कार्रवाई की तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हो सका है। आरोपी अज्ञात हैं, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गंभीरता से जांच कर रही है।

बैंक में करता था काम विनोद

घटनास्थल पर मृतक युवक की बाइक बरामद हुई है। मृतक विनोद अहिरवार दमोह में किसी प्राइवेट बैंक में था और समूह का कार्य करता था और महिलाओं का समूह बनाकर पैसा देता था। बताया गया है कि विनोद समूह की राशि का कलेक्शन करने घर से निकला था और देर-रात तक घर नहीं पहुंचा परिजनों ने खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चल सुबह घटना की सूचना पुलिस द्वारा परिजनों को दी गई है। परिजन मौके पर पहुंचे पुलिस द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां शव का पोस्टमार्टम कराया गया और परिजनों के सुपुर्द कर आगे की जांच पड़ताल शुरू की गई। तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने बताया सुबह सूचना मिली थी कि जंगल में एक युवक का शव है सूचना पर मौके पर पहुंचा और जांच-पड़ताल की गई मामले में आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा मृतक के परिजनों से भी जानकारी ली जा रही है। पुलिस संभावित संदिग्धों पर नजर बनाए हुए है और जल्द ही घटना का खुलासा किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। इस घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है तथा किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचित करने का अनुरोध किया है।

अज्ञात कार ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो गंभीर हालत में रेफर

तेन्दूखेड़ा। तेन्दूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक सवारों को टक्कर मारकर मौके से भाग गई। इस में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था जहां से दोनों को गंभीर हालत के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार हादसा शाम 7 बजे के आसपास तारादेही मार्ग पर हुआ है। जब बाइक सवार मंजू पिता सोने सींग यादव उम्र 43 वर्ष और वर्ष निर्भय यादव उम्र 19 वर्ष जो तारादेही तरफ से तेन्दूखेड़ा की और आ रहे थे। इसी दौरान बहेरिया धनगौर के बीच अज्ञात बोलेरो कार सामने से जोरदार टक्कर मारकर मौके से भाग निकली। घटना की सूचना राहगीरों 108 वाहन और डायल 112 को दी गई। जहां घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया जहां से दोनों को गंभीर हालत के चलते जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया पुलिस द्वारा अज्ञात बोलेरो की तलाश शुरू करते हुए मामले की जांच की जा रही।

नदी के किनारे खेल रही पांच वर्षीय बच्ची की रेत का टीला गिरने से मौत

कटनी। दोपहर मेट्रो

कटनी में मलबे में दबने से 5 साल की बच्ची की मौत हो गई। घटना बरही थाना क्षेत्र के ग्राम बहेरघटा में बुधवार शाम को हुआ। उमरार नदी किनारे खेल रही 5 वर्षीय बच्ची पर रेत का टीला गिर गया। जिससे वह मलबे में दब गई। दम घुटने से बच्ची ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद से पूरे गांव में शोक का माहौल है।घटना की सूचना मिलते ही बरही थाना पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने अस्पताल से प्राप्त मेमो के आधार पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

हैन्ड लोडिंग कराने सनसनीखेज डंफर आपरेटर की होती है मिलीभगत

एसईसीएल में काले हीरे का काला खेल रामपुर बटुरा में नियम विरुद्ध हो रही छटाई

शहडोल। दोपहर मेट्रो

एसईसीएल सोहागपुर की रामपुर बटुरा की खुली खदान में कोयले की अवैध छटाई एवं नियम विरुद्ध अवैध लोडिंग कराने का मामला सामने आया है। सूत्रों का दावा है कि कुछ कर्मचारियों एवं तकनीकी निरीक्षकों एवं डंफर आपरेटरों की मिलीभगत से चलता है। इसका उद्देश्य होल्डर्स को सीधा लाभ पहुंचाना एवं मोटी वसूली करना बताया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार सरकारी कर्मचारी एवं डंफर आपरेटर से तीन सौ से लेकर चार सौ रुपए प्रति गाड़ी वसूलते हैं ताकि अच्छा क्वालिटी का कोयला डीओ होल्डरों कों दिया जा सके। हाल पैक से कोयला को लाया, फिर लोडर से चुनीं हुई क्वालिटी का कोयला लोड कर गाड़ी को रवाना किया जाता है। वसूली का यह सिस्टम पिछ्ले कई महीनों से चल रहा है। जितना डी ओ का काम होता उसका 40रू से लेकर 90,रूपये तकनीकी निरीक्षक द्वारा लिया जाता है रामपुर बटुरा खुली खदान में प्रति माह लगभग एक लाख टन डी यो लगाया जाता है इस हिसाब से केवल एक खदान से चालिस से पचास लाख रूपये अवैध वसूली प्रतिमाह होती हैं। यह रकम ऊपर से लेकर नीचे, बंटने का सिस्टम पहले से तय इसलिए शिकायत करने की हिम्मत कोई नहीं करता। यह एक खदान का आंकड़ा है। इस तरह सोहागपुर क्षेत्र में लगभग दर्जनों खदानें संचालित हैं।

सोहागपुर क्षेत्र की अन्य खदानों के यह हैं हाल

सोहागपुर क्षेत्र की अन्य खदानें शारदा ओसीयम अमलाई ओसीयम खैरहा राजेन्द्र बंगबार सूत्र बताते हैं कि इन सभी खदानों में भी यहीं सिस्टम का खेल चल रहा है एवं कुल मिलाकर करोड़ों रुपए की अवैध कमाई हर महीने की ज रहीं हैं

डीओ होल्डरों से अवैध वसूली, हों रहें परेशान

सूत्रों के अनुसार डी ओं होल्डर्स से प्रति गाड़ी14 सौ रूपये अतिरिक्त वसूलें जातें हैं जिसमें पूरे हिसाब-किताब के साथ जिसमें तीन सौ रूपए गुण्डा टेक्स लेबलिंग चार्ज तीन सौ रुपए हाल पैक आपरेटर दो सौ रुपए लोडिंग में लगें मजदूर हर गाड़ी सौ रुपए गेट एंट्री के नाम पर सौ रुपए कांटा शुल्क के नाम पर पैंतिस से चालिस रूपये तकनीकी निरीक्षक का कमीशन यह सिस्टम न अवैध वसूली हैं बल्कि डी ओं होल्डर्स की लागत कों भी बढ़ा हैं जिससे आगे के व्यापारियों एवं आम उपभोक्ताओं को सीधा असर पड़ता है।

परिवार गया था शादी में, घर से जेवर और नकदी चुरा ले गए चोर

इटारसी। दोपहर मेट्रो

शहर में चोर गिरोह एक बार फिर सक्रिय हो गए है, एक दो दिन से जैसे ही ठंड बड़ी है वही चोरो ने भी चोरी की वारदाते शुरू कर डी है, बीतीरात भी चोरो ने मालवीयगंज प्रतापपुरा में एक मकान में ताला तोड़कर सोने चांदी के आभूषण व नकदी पर हाथ साफ किया है। बताया जा रहा है कि परिवार बुधवार को शादी में जबलपुर गया था। जब वे वापस लौटे तो ताला टूटा मिला जिसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रतापपुरा निवासी अशोक पटवा अपने परिवार के साथ शादी में शामिल होने जबलपुर गए थे, जब गुरुवार को उनका पुत्र शिवम् पटवा सुबह 9 बजे बापस घर लौटा तो उसे घर में लगा ताला टुटा मिला,जिसके बाद शिवम ने अपनी बहन और जीजा जी को बताया फिर पुलिस कि इसकी सूचना दी। शिवम के अनुसार चोरो ने अलमारी का ताला तोड़कर नकदी रखे 53 हजार रूपये व सोने का मंगलसूत्र, सोने का हार लगभग डेढ़ तोले का, चांदी कि 3 जोड़ी पायल, चांदी के सिक्के व गुल्लक में रखे पैसे ले गए है। थाना प्रभारी गौरव सिंह बुंदेला का कहना है कि टीम भेजकर मौका मुआयना कराया है। आसपास के सीसीटीवी तलाश कर चोरो कि धरपकड़ कि जाएगी।

राघोपुर मरवारी बांध परियोजना के निर्माण स्थल पर डूब प्रभावित किसान अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे

डिंडोरी। दोपहर मेट्रो

डिंडोरी जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के घुसिया गांव में राघोपुर मरवारी बांध परियोजना के निर्माण स्थल पर हजारों की संख्या में डूब प्रभावित किसान अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करने पहुंचे। किसानों के विरोध के बाद ठेकेदार ने निर्माण कार्य रोक दिया। मौके पर पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। किसानों ने निर्माण स्थल पर बने ठेकेदार के अस्थाई कैंप में कर्मचारियों को घेर लिया। सूचना मिलने पर शहपुरा के एसडीओपी अजय तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उनके साथ नायब तहसीलदार भी मौजूद थे। लगभग तीन घंटे की समझाइश के बाद ग्रामीण समझौते के लिए तैयार हुए।

मेट्रो एंकर

पुलिस अधीक्षक ने किया इटारसी थाने का निरीक्षण

जब्त माल और दस्तावेजों के सुव्यवस्थित संधारण पर विशेष ध्यान देने के दिए निर्देश

इटारसी। दोपहर मेट्रो

पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा थोटा ने थाना इटारसी का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा थाने की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के संधारण, अपराध पंजीकरण, लंबित प्रकरणों की स्थिति एवं उनके निराकरण की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए मलखाने, हवालात, शस्त्रागार, महिला हेल्प डेस्क, साइबर संबंधी अभिलेख एवं थाने की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया गया। उन्होंने थाने में रखे गए जब्त माल एवं दस्तावेजों के सुव्यवस्थित संधारण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आम नागरिकों के साथ संवेदनशील एवं विनम्र व्यवहार करने, शिकायतों का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित अपराधों के शीघ्र निराकरण, गंभीर अपराधों में प्रभावी कार्रवाई एवं अपराध नियंत्रण हेतु नियमित गश्त बढ़ाने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान थाने की साफ-सफाई, अनुशासन एवं रिकॉर्ड संधारण को संतोषजनक पाया गया। पुलिस अधीक्षक ने बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रशंसा करते हुए भविष्य में और अधिक तत्परता एवं निष्ठा से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वीरेंद्र मिश्रा एवं थाना प्रभारी इटारसी निरीक्षक गौरव सिंह बुंदेला सहित थाने का समस्त पुलिस स्टाफ उपस्थित रहा।

पश्चिम मध्य रेल

खुली निविदा – ई–निविदा सूचना

क्रमांक: **WCR-CRWS-COACHFUR-25-18R1**

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती हैं।, **कार्य का नाम**– स्ट्रीपिंग, रिपेयर एंड फिटमेंट ऑफ कोम्प्रेग प्लाईवूड, एलपी शीट पैनल, एनएएफटीसी सीलिंग, बॉडी साइड विंडोस, डोर विंडोस, लेवोटरी विंडोस एंड इमरजेंसी विंडोस इन कोचेस एस पर स्कोप ऑफ वर्क एट सीआरडबल्यूएस, भोपाल, **कार्य की लागत**– रू.1,15,04,918.20/- **निविदा फॉर्म का मूल्य**– रू.0.00/-, **धरोहर राशि**– रू. 2,07,600.00/- **कार्य पूर्ण करने की अवधि**– 22 माह, **आनलाईन बिडिंग प्रारंभ होने का दिनॉंक/ ऑनलाईन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समय**– 06/02/2026/ 20/02/2026 को 15:00 बजे तक, **निविदा खुलने का दिनांक एवं समय**– 20/02/2026 को 15:30 बजे, निविदा तथा निविदा प्रारूप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेब साइट "www.ireps.gov.in" एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

(हस्ता.)

मुख्य कारखाना प्रबंधक सडिपुका, निशातपुरा
पश्चिम मध्य रेल, भोपाल

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

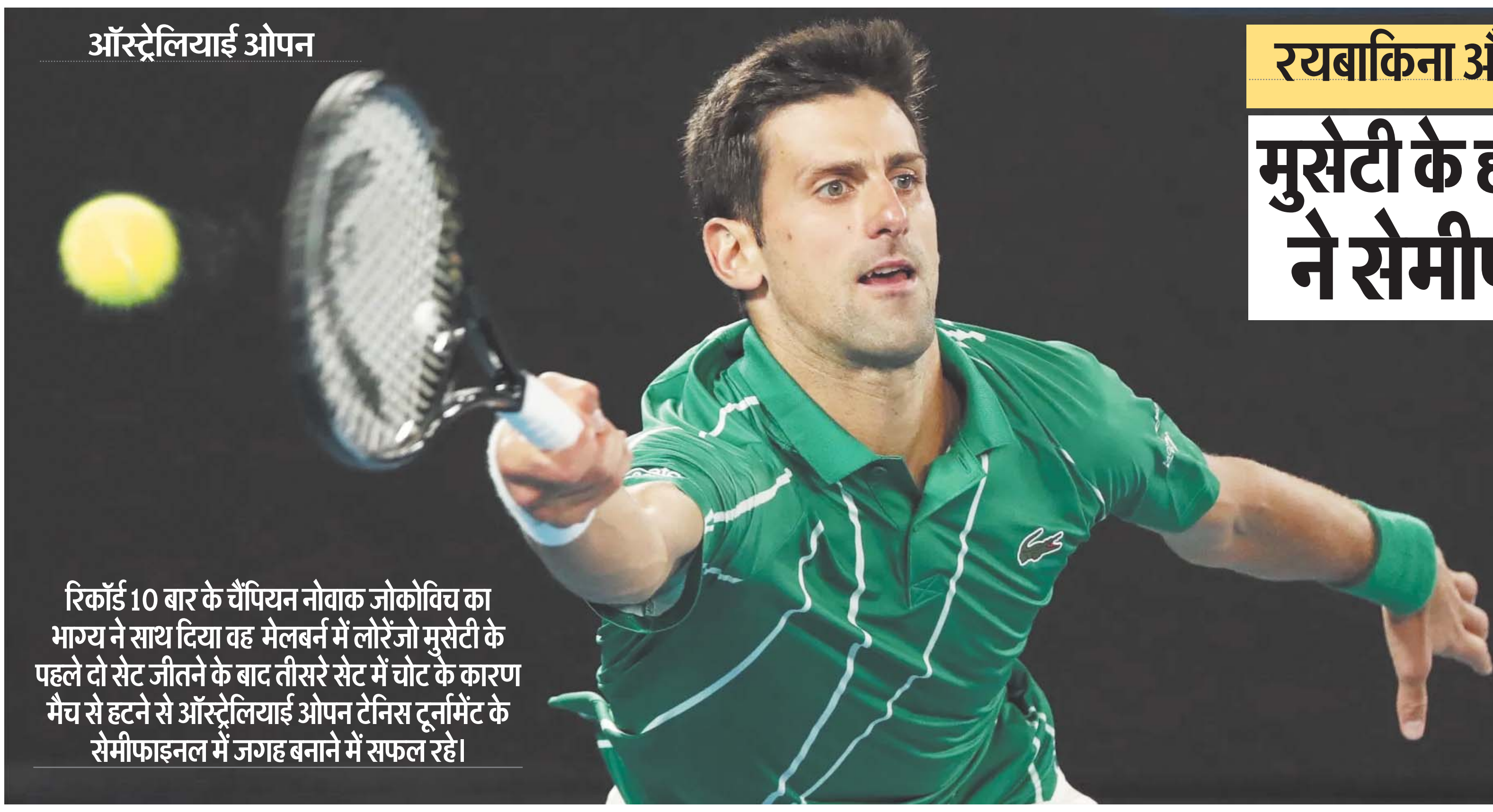

रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का भाग्य ने साथ दिया वह मेलबर्न में लोरेंजो मुसेटी के पहले दो सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में चोट के कारण मैच से हटने से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे।

रयबाकिना और पेगुला की भी अंतिम चार में एंट्री

मुसेटी के हटने से नोवाक जोकोविच ने सेमीफाइनल में मारी एंट्री

मेलबर्न। रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच का भाग्य ने साथ दिया और वह मेलबर्न में लोरेंजो मुसेटी के पहले दो सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में चोट के कारण मैच से हटने से ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहे। जोकोविच पहले दो सेट हार गए थे और वह घर वापस लौट के बारे में सोचने लग गए थे लेकिन तभी भाग्य ने पलटी खाई क्योंकि पांचवीं वरीयता प्राप्त मुसेटी चोट के कारण टूर्नामेंट से हट गए।

मुसेटी ने पहले दो सेट 6-4, 6-3 से जीते। उन्होंने तीसरे सेट के तीसरे गेम में अपने दाहिने पांव के ऊपरी हिस्से में चोट लगने के कारण मेडिकल टाइमआउट लिया। इसके बाद उन्होंने एक और गेम खेला, लेकिन फिर आगे नहीं खेल सके। जब मुसेटी ने मैच से हटने का फैसला किया तब जोकोविच तीसरे सेट में 3-1 से आगे चल रहे। इस तरह से 38 वर्षीय जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना 11वां खिताब और कुल 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद जारी रखी, लेकिन उनका कहना है कि इस बार वे भाग्यशाली रहे।

पीसीबी की गीदड़ भभकियों के चलते लगातार बढ़ता जा रहा ऑफ-फील्ड ड्रामा

आईसलैंड ने पाकिस्तानी टीम को किया ट्रोल, कहा- हम उड़ान भरने को हैं तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी

आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर चल रहे विवाद के बीच आइसलैंड क्रिकेट ने पाकिस्तान पर हल्के-फुल्के अंदाज में तंज कसते हुए सोशल मीडिया पर एक मजेदार पोस्ट शेयर किया। यह पोस्ट ऐसे समय सामने किया गया है, जब बांग्लादेश के टूर्नामेंट से हटने और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की गीदड़भभकियों के चलते ऑफ-फील्ड ड्रामा लगातार बढ़ता जा रहा है।

आइसलैंड क्रिकेट ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट के जरिए पाकिस्तान की भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता पर प्रतिक्रिया दी। मजाकिया लहजे में आइसलैंड क्रिकेट ने कहा कि अगर पाकिस्तान टी20 वर्ल्ड कप से हटता है, तो उसकी जगह खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है।

आइसलैंड क्रिकेट ने अपने पोस्ट में लिखा, %हमें सच में पाकिस्तान से जल्द फैसला चाहिए कि वो टी20 वर्ल्ड कप खेल रहे हैं या नहीं, जैसे ही वे 2 फरवरी को हटेंगे, हम उड़ान भरने को तैयार हैं। बस दिक्कत ये है कि 7 फरवरी तक कोलंबो पहुंचने के लिए फ्लाइट शेड्यूल बड़ा सिरदर्द है। वैसे भी हमारा ओपनिंग बैटर नींद ना आने का मरीज है।

पीसीबी ने आईसीसी पर उठाए थे सवाल

आइसलैंड क्रिकेट की इस मजाकिया टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं। हालांकि इस हल्के-फुल्के मजाक के पीछे मामला काफी गंभीर है। हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल पर सवाल उठाए थे। उन्होंने बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने की आलोचना की थी, जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत यात्रा से इनकार कर दिया था। मोहसिन नकवी का कहना था कि बांग्लादेश भी आईसीसी का पूर्ण सदस्य है और उसे भी वही रियायत मिलनी चाहिए थी, जो पाकिस्तान को मिलती है। इस टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम के मैच श्रीलंका में कराए जाने हैं। आईसीसी ने अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि आंतरिक और बाहरी सुरक्षा एजेंसियों की रिपोर्ट में बांग्लादेशी खिलाड़ियों, अधिकारियों या फैन्स के लिए भारत में कोई ठोस या भरोसेमंद खतरा नहीं पाया गया। इसके बावजूद बांग्लादेश के ना खेलने के फैसले के बाद आईसीसी ने उसकी जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल कर लिया। मोहसिन नकवी के बयान के बाद अटकलें तेज हो गईं कि क्या पाकिस्तान भी आखिरी वक्त में टूर्नामेंट का बहिष्कार कर सकता है।, हालांकि पीसीबी ने इसके एक दिन बाद ही 15 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम का ऐलान कर दिया। सूत्रों के मुताबिक, आईसीसी ने पाकिस्तान को साफ चेतावनी दी है कि अगर वह बांग्लादेश जैसा कदम उठाता है, तो उस पर कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। ऐसे किसी भी फैसले का पाकिस्तान क्रिकेट पर लंबे समय तक नकारात्मक असर पड़ सकता है।

भारत संग मैच छोड़ा तो पाकिस्तान को होगा भारी नुकसान!

नई दिल्ली। पाकिस्तान टीम के आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भागीदारी पर सस्पेंस बरकरार है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस शुक्रवार या अगले सोमवार तक टी20 वर्ल्ड कप को लेकर निर्णय लेगा। हालांकि ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस फैसले के राजनीतिक दबाव, कानूनी जोखिम और भारी आर्थिक नुकसान को लेकर गहराई से मंथन कर रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने सोमवार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से लंबी बैठक की, जिसमें सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। नकवी सरकार के शीर्ष स्तर से मार्गदर्शन चाहते हैं, ताकि कोई भी फैसला लेने से पहले उसके दूरगामी परिणामों को समझा जा सके। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट की रिपोर्ट में बताया गया है कि मोहसिन नकवी इस समय राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर हैं और वहां भी उन्होंने इस मुद्दे पर उनसे सलाह ली है। इसके अलावा, आने वाले दिनों में नकवी पीसबी के कुछ पूर्व अध्यक्षों से भी राय लेने वाले हैं। सूत्रों के अनुसार, पीसीबी के भीतर भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार एक गंभीर विकल्प के तौर पर चर्चा में है। हालांकि, अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट में हिस्सा लेता है, तो भारत के खिलाफ मैच खेलने या ना खेलने का फैसला टीम के पहले दो मुकाबलों के बाद ही लिया जाएगा।

आईसीसी पर लगाया पक्षपात का आरोप?

टी20 के बाद बांग्लादेश के निशाने पर अंडर 19 कप

नई दिल्ली, एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 से पहले ड्रामा करके बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का मन नहीं भरा था, अब उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी नया क्लेश करने की ठान ली है। भले ही उनकी अंडर-19 टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई है, लेकिन बीसीबी ने नए बयान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पर अनुचित कार्यक्रम का आरोप लगाया है।

बीसीबी के गेम डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटर हबीबुल बशर ने कहा कि टीम की हार के पीछे केवल प्रदर्शन नहीं, बल्कि खिलाड़ियों पर डाले गए अत्यधिक यात्रा दबाव की भी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने स्वीकार किया कि इंग्लैंड और भारत के खिलाफ मुकाबलों में रणनीतिक चूक रही, लेकिन साथ ही यात्रा कार्यक्रम को अनुचित बताया। हबीबुल बशर ने डेली स्टार से बातचीत में कहा, लोग इसे बहाना कह सकते हैं, लेकिन यात्रा कार्यक्रम ऐसा था कि खिलाड़ियों पर बेवजह का शारीरिक और मानसिक दबाव पड़ा।

बार-बार बदला गया कार्यक्रम, बढ़ी परेशानी

बांग्लादेश की अंडर-19 टीम को शुरुआत में मसविंगो में दो वॉर्म-अप मैच खेलने थे, जिसके बाद उन्हें मुख्य मुकाबलों के लिए हरारे जाना था। लेकिन टूर्नामेंट से ठीक पहले आईसीसी ने कार्यक्रम बदल दिया। इसके बाद टीम को दो अलग-अलग शहरों में अभ्यास मैच खेलने पड़े, जिनके बीच करीब चार घंटे की दूरी थी। बशर ने कहा, भारत के खिलाफ मैच से पहले खिलाड़ियों को थकान से बचाने के लिए बीसीबी को अपनी जेब से आंतरिक फ्लाइट का इंतजाम करना पड़ा, क्योंकि बस यात्रा लंबी और थकाने वाली थी। बांग्लादेश के हेड कोच नवीद नवाज और कई खिलाड़ियों ने भी यात्रा व्यवस्था पर नाराजगी जताई। टीम को हरारे से बुलावायो तक मानसून के दौरान लगभग नौ घंटे का बस सफर करना पड़ा, जो उनके शुरुआती ग्रुप मैच से ठीक पहले था।भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ अहम मुकाबलों के लिए भी बीसीबी ने खुद खर्च उठाकर फ्लाइट की व्यवस्था की।

बड़े देशों को मिला फायदा?

हबीबुल बशर का आरोप है कि भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया जैसी टीमों को तुलनात्मक रूप से काफी हल्का यात्रा कार्यक्रम दिया गया, जबकि बांग्लादेश को लगातार शहर बदलने पड़े। उन्होंने कहा, हमने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही आईसीसी को यात्रा के बोझ के बारे में बताया था और अभ्यास मैचों में बदलाव की मांग की थी, लेकिन हमारी बात नहीं सुनी गई। टूर्नामेंट शुरू होने के बाद कुछ बदलना संभव नहीं होता।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

टेढ़ी स्माइल पर ट्रोल हुए थे वरुण, मगर बॉर्डर 2 की सक्सेस ने बदला नजरिया, सपोर्ट में आए डायरेक्टर

बॉर्डर 2 बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। देशभक्ति के जोश से भरपूर फिल्म फैंस के दिलों को जीतने में कामयाब हुई है। मगर फिल्म रिलीज से पहले ही वरुण धवन को उनकी एक्टिंग को लेकर जमकर ट्रोल किया गया। वरुण की कास्टिंग पर भी सवाल उठाए गए। वरुण के एक्सप्रेशन्स और स्माइल को लेकर तरह-तरह के फनी मीम्स शेयर किए गए। अब वरुण ने हेटर्स को जवाब दिया है। दरअसल, घर कब आओगे गाने में वरुण की स्माइल की कई लोगों ने खिल्ली उड़ाई थी। ट्रोल्स ने कहा था कि वरुण टेढ़ा मुंह करके स्माइल करते हैं। यूजर्स के इसी कमेंट्स पर अब वरुण ने रिएक्शन दिया है। ट्रोलिंग के बीच वरुण को इंडस्ट्री से बॉर्डर 2 में उनकी परफॉर्मेंस के लिए काफी सपोर्ट मिल रहा है। आलिया भट्ट ने वरुण की तारीफ की। डायरेक्टर शशांक खेतान ने भी वरुण के लिए स्पेशल पोस्ट शेयर की। वरुण ने शशांक के पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर री-शेयर किया है। पोस्ट में लिखा है- आपकी स्माइल भले ही टेढ़ी है, लेकिन आपका दिल साफ है और आंखों में सच्चाई है। बॉर्डर 2 में ये सब साफ नजर आया है। आपने शानदार, सॉलिड परफॉर्मेंस दी है। ईमानदारी से काम किया है। मेरे भाई आपको ढेर सारा प्यार। इस ब्लॉकबस्टर के लिए आपको बहुत बधाई।

वरुण को नहीं पड़ता ट्रोलिंग से फर्क

वरुण ने बीते दिनों फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में भी अपनी ट्रोलिंग पर रिएक्ट किया था। उन्होंने कहा था कि वो हेटर्स को कुछ बोलकर जवाब देने के बजाए अपने काम से जवाब देना चाहते हैं। एक्टर ने कहा था- ये सब चीजें चलती रहती हैं। ये मायने नहीं रखता। मुझे फिल्म पर भरोसा है। एक अच्छी फिल्म बनाना बहुत जरूरी है। नंबर्स से मेरा कुछ लेना देना नहीं है। लेकिन मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी फिल्म बनानी चाहिए। मैं उस स्कूल से आता हूं, जहां आपका काम बोलता है। बॉर्डर 2 की बात करें तो फिल्म में वरुण के अलावा सनी देओल, अहान शेट्टी, दिलजीत दोसांझ लीड रोल में हैं। फिल्म ने रिलीज के 5वें दिन 23।31 करोड़ रुपये का क्लेक्शन किया है, जिसके बाद फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 216 करोड़ तक पहुंच गया है।

अरिजीत ने चुनी आजादी, सोना मोहपात्रा ने बताया इंडस्ट्री में कैसे होता है शोषण

सिंगर अरिजीत सिंह ने जबसे प्लेबैक सिंगिंग छोड़ने का ऐलान किया है, उनके इस फैसले पर खूब रिसर्च हो रही है। हालांकि अरिजीत ने क्लीयर किया है कि वो म्यूजिक के साथ अपनी जर्नी जारी रखेंगे। बस प्लेबैक वोकलिस्ट के तौर पर कोई असाइनमेंट नहीं लेंगे। फैंस अरिजीत के इस फैसले पर हैरानी जता रहे हैं। वहीं कुछ यूजर्स ने अरिजीत के बॉलीवुड से दूरी बनाने की वजह को इंडस्ट्री का खराब सिस्टम बताया है।

सिंगर सोना मोहपात्रा ने अरिजीत को अपना पूरा समर्थन दिया है। उनका कहना है सिंगर ने आजादी की तरफ अपना नया कदम रखा है। वो लिखती हैं- अरिजीत का प्लेबैक सिंगिंग से दूर होना उसे छोड़ना कम और आजादी, ऑथरशिप और नई संभावनाओं की तरफ एंट्री का एहसास देता है। इस पर अटकलें नहीं लगाऊंगी कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। मुझे

यकीन है उनके अपने पर्सनल रीजन्स होंगे। जो कि वैलिड भी हैं। जो कुछ मैटर करता है वो है उनकी चॉइस। उनके पहले आए किसी सिंगर ने ये रास्ता चुनने के बारे में नहीं सोचा। अपनी अलग जगह बनाने का फैसला नहीं लिया। अब वो पहले अपने लिए गाएंगे, एक्सपलोर करेंगे, खुद का गाना क्रिएट करेंगे। अपना गाना अपनी शर्तों पर गाएंगे। शायद उनका सोचना ऐसा रहा हो या नहीं, लेकिन इससे नई आवाजों को स्पेस मिलेगा, जो अभी तक स्क्रैच सिंगर्स बने हुए थे। ऐसे गानों के लिए डेमो पर थे जिसे गाना उन्हें कभी अलाउ नहीं किया जाता था। सोना ने अपनी पोस्ट में बताया कि म्यूजिक इंडस्ट्री की क्या दिक्कतें हैं, ये कैसे काम करती है।

मेट्रो बाजार

सैमसंग के आगामी गैलेक्सी स्मार्टफोन में मिलेगा नया फीचर

सोल । सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने बुधवार को बताया कि उसका आने वाला गैलेक्सी स्मार्टफोन एक खास इनबिल्ट प्राइवेसी फीचर के साथ आएगा। इस फीचर की मदद से यूजर्स अपनी स्क्रीन पर दिखने वाली जानकारी को दूसरों की नजर से सुरक्षित रख सकेंगे। इसके लिए फोन पर अलग से कोई फिल्म या परत लगाने की जरूरत नहीं होगी। दक्षिण कोरियाई टेक दिग्गज ने कहा कि यह नया फीचर यूजर को डिस्प्ले की दिखने की क्षमता को अपने हिसाब से बदलने की सुविधा देगा, जिससे कंधे के ऊपर से झांककर देखने (शोल्डर सर्फिंग) की समस्या से बचा जा सकेगा। कंपनी ने बताया कि यह फीचर जल्द ही गैलेक्सी फोन में आने वाला है।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, सैमसंग फरवरी में गैलेक्सी एस26 स्मार्टफोन के लिए एक खास लॉन्च इवेंट आयोजित करने जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह नया प्राइवेसी फीचर गैलेक्सी एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध होने की उम्मीद है। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस फीचर में डिस्प्ले की दृश्यता को बदलने के कई विकल्प होंगे, जिससे यूजर अपनी जरूरत के अनुसार यह तय कर सकेगा कि दूसरे लोग स्क्रीन पर कितना देख सकें। सैमसंग ने यह भी कहा कि यूजर इस फीचर को अलग-अलग ऐप्स के हिसाब से भी सेट कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार, इस फीचर को तैयार करने में पांच साल से ज्यादा समय लगा है। इसमें इंजीनियरिंग, टेस्टिंग और लगातार सुधार किए गए। कंपनी ने बताया कि उसने यह समझने की कोशिश की कि लोग फोन कैसे इस्तेमाल करते हैं, वे किस जानकारी को निजी मानते हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में लचीलापन बनाए रखने के लिए दीर्घकालिक सोच की जरूरत

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा है कि केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार को अल्पकालिक राहत के बजाय दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना चाहिए, ताकि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक लचीला और संकटों के प्रति मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि मौजूदा वैश्विक हालात भारत समेत पूरी दुनिया के लिए बेहद खतरनाक समय हैं। राजन ने कहा कि पहले भारत में पंचवर्षीय योजनाएं हुआ करती थीं, लेकिन तब भी बजट को उनसे प्रभावी ढंग से नहीं जोड़ा गया। उन्होंने कहा कि 2026-27 का बजट सिर्फ सालाना योजनाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह दिखाना चाहिए कि भारत किस तरह अधिक लचीला, स्वतंत्र और तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन सकता है। राजन ने उम्मीद जताई कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट में ऐसे सुधारों की दिशा तय करेंगी, जो भारत को वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच मजबूती देंगे। उन्होंने कुछ जरूरी सुझाव दिए एआई में भारी निवेश जैसे अवसर मौजूद हैं, लेकिन कुछ चुनिंदा वैश्विक शक्तियों पर

अत्यधिक निर्भरता भारत को कमजोर भी बना सकती है। भारत को वैश्विक सप्लाई चेन में बेहतर तरीके से जुड़ने के लिए कुछ टैरिफ दरों में कटौती करनी पड़ सकती है और राज्यों को निवेश के अनुकूल नीतियां बनाने की दिशा में और कदम उठाने होंगे। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है, लेकिन उसे अपने पड़ोसी देशों बांग्लादेश, श्रीलंका और नेपाल सहित ज्यादा से ज्यादा देशों के साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध मजबूत करने होंगे।

भारी बर्फबारी से मनाली में लगा जाम।

उत्तराखंड में सड़कों पर 4 फीट बर्फ, राजस्थान और यूपी में बारिश की संभावना

हिमाचल में बर्फबारी, सैकड़ों सड़कें और हजारों बिजली ट्रांसफार्मर ठप

शिमला/भोपाल/जयपुर/श्रीनगर/देहरादून। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। हिमाचल प्रदेश में बुधवार को भारी बर्फबारी के बाद ऊंचाई वाले इलाकों में न्यूनतम तापमान -6°C से -1°C के बीच रहा। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में सबसे कम -6.1°C तापमान दर्ज किया गया।

बर्फबारी के कारण हिमाचल में चार नेशनल हाईवे सहित कुल 885 सड़कें और 3 हजार से ज्यादा बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं। पाइपलाइन में पानी जमने से वाटर सप्लाई भी बंद हैं, जिससे हजारों परिवार प्रभावित हुए हैं। इधर, उत्तराखंड में दो दिनों से लगातार बर्फबारी के बाद आज धूप खिली है। हालांकि, बद्रीनाथ, केदारनाथ और गंगोत्री में सड़कों पर अभी भी 3 से 4 फीट तक बर्फ जमी है। चमोली के औली में बुधवार को लगभग 2 फीट बर्फ गिरी। राज्य में एवलांच का खतरे का अलर्ट जारी किया गया है। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर मैदानी राज्यों में भी दिख रहा है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी, बिहार सहित अन्य राज्यों में फिर से सर्दी और कोहरे का असर बढ़ गया है। यूपी के गोरखपुर में गुरुवार सुबह बारिश हुई। कल अयोध्या-लखनऊ समेत 9 शहरों में बारिश हुई थी। बिहार के 5 जिलों में आज बारिश हो सकती है। इसके बाद तापमान में गिरावट से ठिठुरन बढ़ेगी। बुधवार को बिहार का भागलपुर 7.4 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडा जिला रहा। इधर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 31 जनवरी से आंधी-बारिश का अलर्ट है।

पद्मश्री मिलने पर अभिनंदन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने साहित्य और शिक्षा के क्षेत्र में अपने कार्यों के लिए पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कैलाश चंद्र पंत का मुख्यमंत्री निवास में अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने श्री पंत को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और भगवान महाकाल की प्रतिमा भेंट कर अभिवादन किया तथा उनके स्वस्थ और दीर्घायु होने की कामना की।

कोलंबिया में विमान हादसा, 15 की मौत

बोगोटा। कोलंबिया के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित नोर्टे दे सांतांदेर प्रांत के एक ग्रामीण इलाके में एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में विमान में सवार सभी 15 लोगों की मौत हो गई।

स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। यह विमान सरकारी एयरलाइन साटेना का था। स्थानीय लोगों ने सबसे पहले प्रशासन को बताया कि विमान क्यूरासिका नाम के इलाके में गिरा है। इसके बाद तुरंत एक रेस्क्यू टीम को भेजा गया ताकि यात्रियों की स्थिति का पता लगाया जा सके। लेकिन जब टीम मौके पर पहुंची, तो कोलंबिया के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि इस हादसे में कोई भी यात्री या क्रू मेंबर जीवित नहीं बचा। जानकारी के मुताबिक, विमान ने सुबह 11:42 बजे कुकूता शहर के एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। उसे ओकान्या शहर जाना था, जो पहाड़ियों से घिरा हुआ इलाका है। आमतौर पर यह सफर करीब 40 मिनट में पूरा हो जाता है। उड़ान भरने के कुछ ही मिनट बाद विमान का एयर ट्रैफिक कंट्रोल से संपर्क टूट गया। इस घटना के दौरान विमान में कुल 15 लोग सवार थे, जिनमें दो क्रू मेंबर और13 यात्री शामिल थे।

लैंड फॉर जॉब केसः लालू परिवार को मिली राहत

नई दिल्ली। नौकरी के बदले जमीन से जुड़े सीबीआई मामले में आज दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान राउज एवेन्यू कोर्ट ने लालू परिवार को एक छोटी सी राहत दी है।

वहीं, राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले से लालू परिवार की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। कोर्ट ने इस मामले को 9 मार्च से रोजाना ट्रायल शुरू करने का फैसला किया है। इस दौरान जांच एजेंसियां कोर्ट में सबूत पेश करेंगी।दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आज आरजेडी नेताओं लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, तेज प्रताप यादव को एक फरवरी से 25 फरवरी के बीच आरोप तय होने के लिए पेश होने की छूट दी है।वहीं, मीसा भारती और हेमा यादव आज खुद दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुईं। इस दौरान उन्होंने चार्ज से इनकार किया।

41 आरोपियों के खिलाफ आरोप तयः कोर्ट ने नौ जनवरी को दिए आदेश में कहा था कि लालू परिवार सहित 41 लोगों के खिलाफ प्रथम दृष्टया पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। वहीं, इस केस में 52 लोगों को बरी कर दिया गया था।

हसीना ने बांग्लादेश में चुनाव से पहले उठाए सवाल

यूनुस सरकार ने छीना लाखों बांग्लादेशियों का मताधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

बांग्लादेश में चुनाव से पहले बवाल बढ़ता नजर आ रहा है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को चुनावों में भाग लेने से रोक दिया है। इसी क्रम में अब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने देश में होने वाले चुनावों को लेकर अंतरिम सरकार को निशाने पर लिया। हसीना ने यूनुस सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा है देश में लाखों लोगों के मताधिकारों को छीन लिया गया है।

बांग्लादेश में रहेगी अस्थिरता : शेख हसीना ने पिछले हफ्ते एसोसिएटेड प्रेस को भेजे एक ईमेल में चेतावनी देते हुए कहा था कि बिना समावेशी, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के बांग्लादेश लंबे समय तक अस्थिरता का शिकार रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया था कि नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने जानबूझकर उनकी पार्टी को चुनाव से बाहर करके लाखों समर्थकों के मताधिकार को छीन लिया है। हसीना ने लिखा, 'जब भी आबादी के एक बड़े हिस्से को राजनीतिक भागीदारी से वंचित किया जाता है, तो इससे असंतोष गहराता है, संस्थानों की वैधता खत्म होती है और भविष्य में अस्थिरता की स्थितियां पैदा होती हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'बहिष्कार से बनी सरकार एक विभाजित राष्ट्र को एकजुट नहीं कर सकती।'

12 फरवरी को होगा चुनाव

बांग्लादेश में 12 फरवरी 2026 को होने वाले चुनाव में 127 मिलियन से अधिक मतदाता वोट डालने के योग्य हैं। यह चुनाव दशकों में सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि यह 2024 के बड़े पैमाने पर विद्रोह के बाद पहला राष्ट्रीय चुनाव है, जिसमें हसीना को सत्ता से हटा दिया गया था। यूनुस की अंतरिम सरकार इस प्रक्रिया की निगरानी कर रही है, जिसमें मतदाता व्यापक राजनीतिक सुधारों पर संवैधानिक जनमत संग्रह पर भी मत रखेंगे।

बदलावों को लेकर अनिश्चितता

यूनुस अगस्त 2024 में बांग्लादेश लौटे थे और हसीना के भारत भागने के 3 दिन बाद सत्ता संभाली थी। उन्होंने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव का वादा किया है, लेकिन आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि अवामी लीग पर प्रतिबंध के बाद क्या यह प्रक्रिया वास्तव में समावेशी और लोकतांत्रिक होगी। सुरक्षा व्यवस्था और संवैधानिक बदलावों को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564